RNI NO. MPHIN/2016/69135

दैनिक लोकप्रदेश

वर्ष-10 | अंक-69 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, गुरुवार 26 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के जन्म दिवस पर पाती लेकर बहनें पहुंची मुख्यमंत्री निवास

मुख्यमंत्री निवास में होगी बहनों की पंचायत

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उनके जन्म दिवस 25 मार्च को प्रातः बहनों की पाती-भैया के नाम लेकर मुख्यमंत्री निवास पहुंची बहनों का स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अभिव्यक्ति बहनों की पाती-भैया के नाम एक आत्मीय पहल है। बहनों का आशीर्वाद हमें निरंतर प्राप्त होता रहा है। प्रदेश की बहनों ने अपने मन के भाव, अनुभव और सुझाव पाती के माध्यम से व्यक्त किए हैं। बहनों ने अपने भैया के प्रति विश्वास, स्नेह और सम्मान को शब्दों में पिरोया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं के स्वाभिमान और सशक्तिकरण के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री निवास में जल्द ही बहनों से संवाद के लिए विशेष पंचायत आयोजित की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने जन्मदिवस पर किसानों को दिया सस्ती बिजली का उपहार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना के अंतर्गत किसानों के हित में किए जा रहे अनुबंध राज्य के लिए अमूल्य उपहार हैं। इस महत्वाकांक्षी योजना में 4 हजार मेगावॉट की विशाल क्षमता वाली इकाईयां स्थापित की जाएंगी। जिसका सबसे बड़ा लाभ प्रदेश के किसानों को मिलेगा। इससे लगभग 8 लाख पम्प सीधे सूर्य की शक्ति अर्थात् सौर ऊर्जा से संचालित होंगे। आज से सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना के अनुबंधों के वितरण की प्रक्रिया आरंभ हो रही है। आज का दिन प्रदेश की कृषि और ऊर्जा नीति के समन्वय का ऐतिहासिक पड़ाव सिद्ध होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से वर्ष 2026 को प्रदेश में कृषि कल्याण वर्ष के रूप में मनाने का संकल्प लिया गया है। किसान भाईयों को सुखी-समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने के इस महासंकल्प में सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना का महत्वपूर्ण योगदान होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, उनके जन्म दिवस 25 मार्च को मुख्यमंत्री निवास आयोजित में सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना के अंतर्गत विद्युत क्रय अनुबंध वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला, अपर मुख्य सचिव श्री मनु श्रीवास्तव तथा श्री नीरज मंडलोई उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गौरव का विषय है कि मध्यप्रदेश ने अब तक 12 हजार मेगावॉट से अधिक नवकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित कर ली है। सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना के तहत 4 हजार 22 मेगावॉट की सोलर परियोजनाएं आवंटित की गई हैं। इससे मात्र 2 रूपए 40 पैसे से 2 रूपए 85 पैसे प्रति यूनिट की किफायती दर पर बिजली उपलब्ध होगी।

शंकराचार्य की गिरफ्तारी पर

चार्जशीट दाखिल होने तक रोक

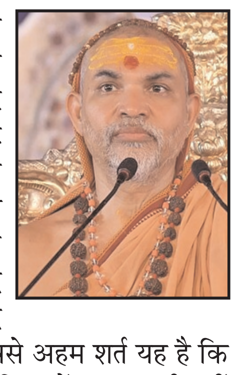

प्रयागराज। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की जमानत बुधवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंजूर कर ली। कोर्ट ने कहा कि चार्जशीट दाखिल होने तक शंकराचार्य की गिरफ्तारी नहीं होगी। यह फैसला हाईकोर्ट के जस्टिस जितेंद्र कुमार सिन्हा की बेंच ने दोपहर बाद 3.45 बजे सुनाया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को जमानत देते हुए शर्तें भी लगाई हैं। सबसे अहम शर्त यह है कि दोनों पक्ष (शंकराचार्य और आशुतोष) मीडिया में बयानबाजी नहीं करेंगे और इंटरव्यू नहीं देंगे। शंकराचार्य के विदेश जाने पर भी रोक है। इसके लिए हाईकोर्ट से अनुमति लेनी होगी। अगर जमानत की शर्तों का उल्लंघन किया जाता है, तो दूसरा पक्ष जमानत कैंसिलेशन अर्जी दे सकता है।

90 दिन के अंदर दाखिल करनी होती है चार्जशीट

अगर आरोपी जेल में है, तो पुलिस को हर हाल में 90 दिन के अंदर चार्जशीट दाखिल करनी होती है। नहीं, तो कोर्ट जवाब मांग लेता है। लेकिन, अगर आरोपी गिरफ्तार नहीं है, तो पुलिस जांच के नाम पर कुछ वक्त ले सकती है।

रेप पीड़ित बच्ची को थाने बुलाने पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तीन साल की बच्ची से रेप के मामले में असंवेदनशील रवैये के लिए हरियाणा पुलिस और बाल कल्याण समिति को जमकर फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हरियाणा पुलिस द्वारा पीड़ित से मिलने के बजाय उसे थाने बुलाना शर्मनाक है।कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा- पुलिस अफसरों को देखिए, उनकी पोजिशन देखिए। पुलिस स्टेशन में DCP, ASP रहते हैं। इस अपराध में आपकी यही समझ है तो फिर कानून किसे कहेंगे? यह शॉकिंग है पुलिस पीड़ित के घर क्यों नहीं जा सकती? क्या वे राजा हैं? सुप्रीम कोर्ट ने मामले की जांच के लिए हरियाणा कैडर की महिला आईपीएस अधिकारियों सहित तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। साथ ही हरियाणा सरकार को विशेष जांच टीम गठित करने का निर्देश दिया। इसके अलावा गुरुग्राम पुलिस को गुरुवार तक मामले के रिकॉर्ड सौंपने के भी आदेश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर होने के बाद पुलिस ने 22 मार्च 2026 को तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया.

सर्वदलीय बैठक में पश्चिम एशिया के हालात पर सरकार ने विपक्ष को दी जानकारी, कहा-

देश में तेल की कोई कमी नहीं

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक कर स्थिति पर गहन चर्चा की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में करीब 1 घंटे 45 मिनट तक चली। इस बैठक में सरकार ने साफ संदेश दिया कि देश में हालात पूरी तरह नियंत्रण में हैं और किसी भी तरह से घबराने की जरूरत नहीं है। बैठक का मकसद विपक्ष को मौजूदा स्थिति से अवगत कराना और राष्ट्रीय स्तर पर एकजुटता दिखाना था। बैठक में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति से जुड़े मंत्री मौजूद रहे, जिनमें अमित शाह, एस जयशंकर और निर्मला सीतारमण शामिल हैं। इसके अलावा जेपी नड्डा और किरेन रिजिजू भी बैठक में शामिल हुए। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने वैश्विक हालात और पश्चिम एशिया के संकट पर विस्तार से जानकारी दी। कांग्रेस के तारिक अनवर और मुकुल वासनिक, समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव और बीजद के सस्मित पात्रा भी बैठक में मौजूद रहे।

सर्वदलीय बैठक का मकसद स्थिति साफ करना

दिल्ली में सर्वदलीय बैठक को लेकर बीजेपी सांसद मनन कुमार मिश्रा ने कहा कि इस बैठक का उद्देश्य मौजूदा स्थिति को साफ करना था। उन्होंने कहा कि क्या हो रहा है और आगे क्या होने वाला है, यह स्पष्ट किया गया है। मनन मिश्रा ने बताया कि बैठक में देश की स्थिति को लेकर पूरी जानकारी दी गई और सरकार इस बात को लेकर गंभीर है कि इस हालात से कैसे निपटा जाए। सर्वदलीय बैठक जारी है, जहां विदेश मंत्री एस. जयशंकर विपक्ष के नेताओं द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब दे रहे हैं। बैठक में विभिन्न दलों के नेता मौजूद हैं और देश से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा हो रही है।

अब खत्म होगी मिडिल-ईस्ट जंग, ट्रंप के प्रस्ताव के बाद ईरान ने अमेरिका के सामने रखीं शर्तें

नई दिल्ली, एजेंसी

मिडिल ईस्ट में चल रही अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जंग ने दुनिया में हाहाकार मचा रखा है। ऐसे में इस जंग का खत्म करने की मांग की जा रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने बीते दिनों ईरान पर हमले से ब्रेक लेने की बात कही और दावा किया कि बातचीत चल रही है। ट्रंप ने कहा कि वॉशिंगटन और तेहरान इस पूरे हफ्ते बातचीत करेंगे, लेकिन उन्होंने उन प्रतिनिधियों के नाम नहीं बताए जो ईरानी सरकार की ओर से बातचीत कर रहे हैं। इन सब के बीच ईरान ने भी जंग खत्म करने के लिए कुछ शर्तें रखी हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप के प्रस्ताव के जवाब के तौर पर ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों को बंद करने, सभी प्रतिबंधों को समाप्त करने, हिज्बुल्लाह के खिलाफ इजरायली अभियान को रोकने और एक ऐसे ढांचे की मांग की है, जिसके तहत उसे होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क वसूलने की अनुमति मिल सके।

सुरक्षा की गारंटी कि वह फिर कभी ईरान पर हमला नहीं करेगा

एक नई समुद्री व्यवस्था की स्थापना, जिसके तहत भविष्य में होर्मुज स्ट्रेट ईरान के नियंत्रण में आ जाएगा। पूरे पश्चिम एशिया में अमेरिका के सभी सैन्य ठिकानों को बंद करना। युद्ध के दौरान ईरान को हुए नुकसान के अनुपात में वित्तीय मुआवजा। पांच वर्षों के लिए बैलिस्टिक मिसाइल विकास रोकने और यूरेनियम संवर्धन को कम करने की तत्परता। 60 प्रतिशत अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम के अपने भंडार को समायोजित करने पर होने वाली चर्चाओं में भागीदारी। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को अपने सेंट्रीफ्यूज का निरीक्षण करने की अनुमति देना। पूरे पश्चिम एशिया में प्रॉक्सी ताकतों को दी जाने वाली फंडिंग को रोकने पर सहमति।

पहले रखी थीं तीन शर्तें

इससे पहले 12 मार्च को ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने रूस और पाकिस्तान के नेताओं से बात करने के बाद कहा था कि युद्ध तभी खत्म होगा जब तीन शर्तें पूरी होंगी। वो शर्तें- इस्लामिक गणराज्य के वैध अधिकारों को मान्यता, हर्जाने का भुगतान और भविष्य में होने वाले किसी भी हमले के खिलाफ पक्की अंतरराष्ट्रीय गारंटी। पेजेशकियन का यह बयान अपनी तरह का पहला बयान था, क्योंकि विदेश मंत्री अब्बास अराघची सहित कई ईरानी राजनयिकों ने अमेरिकियों के साथ बातचीत की किसी भी संभावना से इनकार कर दिया था।

सुप्रीम कोर्ट बोला-

पब्लिक इवेंट्स में वंदेमातरम अनिवार्य नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम गाने को लेकर गृह मंत्रालय के सर्कुलर के खिलाफ दायर याचिका कर दी। कोर्ट ने कहा कि पब्लिक प्लेस और सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए जारी यह निर्देश अनिवार्य नहीं है। सर्कुलर को चुनौती देने वाली याचिका समय से पहले दायर की गई है। मामलाजस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच में था। बेंच ने कहा कि गृह मंत्रालय की एडवाइजरी में वंदेमातरम न गाने पर किसी भी तरह की सजा का प्रावधान नहीं है। बेंच ने कहा- ये दिशानिर्देश केवल एक प्रोटोकॉल हैं और इनका पालन करना अनिवार्य नहीं है। जब याचिकाकर्ता के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई होगी, या फिर उसके लिए गाना अनिवार्य किया जाएगा,

तेल शॉर्टेज की अफवाहों से पैनिक...

आगर मालवा, इंदौर और मंदसौर से अहमदाबाद तक पेट्रोल पंपों पर भीड़

नई दिल्ली, एजेंसी

मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बाधित होने के बाद से सोशल मीडिया पर पेट्रोल और डीजल की कमी को लेकर अफवाहें फैल रही है। इन्हीं अफवाहों के बीच मध्य प्रदेश और गुजरात के कई जिलों में अफरा-तफरी मच गई। इंदौर, आगर मालवा, मंदसौर, नीमच समेत गुजरात के अहमदाबाद, वडोदरा, गांधीनगर, सूरत और राजकोट में मंगलवार से पेट्रोल पंपों पर लंबी-लंबी कतारें लग गईं। लोग ड्रम, केन, बोतल और कुप्पियों में ईंधन भरकर ले जाने लगे। जिससे कुछ पंपों पर पेट्रोल-डीजल खत्म हो गया, जिसके बाद पंप बंद कर दिए गए। प्रशासन का साफ कहना है कि किसी भी तरह की कमी नहीं है, फिर भी लोग घबराकर पेट्रोल-डीजल के लिए घंटों लाइन में लगे हुए हैं। इंदौर में मंगलवार को करीब तीन दर्जन से ज्यादा पेट्रोल पंपों पर सुबह से ही भीड़ जुट गई। वाहन चालकों को घंटों इंतजार करना पड़ा।

हालात बेकाबू

इसी तरह आगर मालवा जिले में दोपहर बाद से पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़ देखी गई। ट्रैक्टरों पर बड़े-बड़े ड्रम और केन लेकर किसान पहुंचे, तो कुछ लोग मोटरसाइकिल, कार और यहां तक कि एम्बुलेंस लेकर कतार में लग गए। सोशल मीडिया पर पंप बंद होने वाले हैं, पेट्रोल-डीजल नहीं मिलेगा वाली अफवाह ने पूरे जिले में घबराहट फैला दी।

तैयारी — रसोई-गैस की किल्लत दूर करने के लिए सरकार बना रही खास एथेनॉल-चूल्हे

देश में अब एलपीजी गैस का विकल्प बनेगा एथेनॉल

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत में अब रसोई गैस (एलपीजी) की निर्भरता कम करने के लिए एथेनॉल का इस्तेमाल करने की तैयारी चल रही है। सरकार एथेनॉल बेस्ड कुकिंग स्टोव (चूल्हे) बनाने पर काम रही है। मंगलवार को फूड एंड पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सेक्रेटरी संजीव चोपड़ा ने दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में इसकी जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि एथेनॉल न केवल गाड़ियों के लिए, बल्कि अब घरों की रसोई के लिए भी एक सुरक्षित और सस्ता विकल्प बन सकता है। संजीव चोपड़ा ने बताया कि हाल के दिनों में पश्चिम एशियाई देशों में चल रहे संघर्ष की वजह से भारत में गैस की सप्लाई चेन प्रभावित हुई है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के जरिए होने वाले शिपमेंट्स रुकने से जमीनी स्तर पर एलपीजी की कमी महसूस की जा रही है, जिससे कीमतें भी बढ़ी हैं। इसी संकट को देखते हुए सरकार अब घरेलू स्तर पर तैयार होने वाले एथेनॉल को कुकिंग फ्यूल (खाना पकाने के ईंधन) के रूप में प्रमोट कर रही है।

शुरुआती दौर में है एथेनॉल चूल्हे का प्रोजेक्ट

सचिव ने बताया कि एथेनॉल आधारित चूल्हों के कुछ शुरुआती मॉडल तैयार कर लिए गए हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ किया कि यह प्रोजेक्ट अभी बेहद शुरुआती चरण में है। उन्होंने कहा, अगर हम इसे बड़े पैमाने पर लागू करते हैं, तो हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि यह पूरी तरह सुरक्षित हो और इसकी उपलब्धता भी बनी रहे।

कैसे काम करेगा एथेनॉल चूल्हा?

ईंधन: इसमें तरल एथेनॉल का इस्तेमाल होता है।

फायदा: यह एलपीजी के मुकाबले कम प्रदूषण फैलाता है और इसे स्टोर करना आसान होता है।

सुरक्षा: एथेनॉल अत्यधिक ज्वलनशील होता है, इसलिए इसके चूल्हों में खास तरह के सेफ्टी वॉल्व और बर्नर डिजाइन किए जा रहे हैं।

मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में ही पायलट प्रोजेक्ट शुरू होगा

सरकार इसकी सप्लाई चैन को परखने के लिए एक प्रयोग करने जा रही है। इसके तहत देश के एथेनॉल मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में ही एथेनॉल कुकिंग का टेस्ट किया जाएगा। इससे यह समझने में मदद मिलेगी कि बिना किसी रूकावट के ईंधन को घरों तक कैसे पहुंचाया जा सकता है। देश में एथेनॉल प्रोग्राम को लेकर चोपड़ा ने बताया कि सप्लाई के मामले में हमने अच्छा काम किया है। अब तक 30 प्रतिशत एथेनॉल ब्लेंडिंग (मिश्रण) का लक्ष्य हासिल कर लिया गया है।

सरकार बेहतर चावल देगी, टूटे हुए चावल से एथेनॉल बनेगा

सरकार पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम यानी पीडीए के जरिए दिए जाने वाले चावल की क्वालिटी में भी सुधार कर रही है। 5 राज्यों में एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है, जिसमें मिलों से निकलने वाले चावल में टूटे हुए चावल की मात्रा 25 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत की गई है। इससे राशन कार्ड धारकों को बेहतर क्वालिटी का चावल मिलेगा। इस प्रक्रिया के दौरान जो अतिरिक्त टूटा हुआ चावल निकलेगा, उसे एथेनॉल बनाने वाली कंपनियों को सप्लाई किया जाएगा।

भोपाल में हादसाः ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई कार

तीन युवकों की दर्दनाक मौत

भोपाल। राजधानी भोपाल के ग्रामीण क्षेत्र में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात एक भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल है। तेज रफ्तार कार के ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से घुस जाने के कारण यह हादसा हुआ। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई और उसमें फंसे युवकों को बाहर निकालने के लिए पुलिस को कार की बॉडी काटनी पड़ी।पुलिस के मुताबिक, रेखा मेहर चंदेरी ग्राम पंचायत की सरपंच हैं और उनके पति गुलाब मेहर पंचायत सचिव हैं। हादसे में उनके बेटे हर्ष मेहर की मौके पर ही मौत हो गई। हर्ष अपने चाचा के बेटे सतीश मेहर, दोस्त लकी अहिरवार और गब्बर के साथ मंगलवार रात करीब 11:30 बजे चाय पीने के लिए निपानिया जाट की ओर जा रहा था। इसी दौरान उनकी कार आगे चल रहे भूसे से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली में जा घुसी।

ट्रॉली की एक हेडलाइट बनी मौत की वजह

हादसे में हर्ष मेहर, सतीश मेहर और लकी अहिरवार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गब्बर गंभीर रूप से घायल है और उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। ईटखेड़ी थाना प्रभारी आशीष सप्रे के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ट्रैक्टर की केवल एक हेडलाइट जल रही थी, जिससे पीछे से आ रही कार के चालक को वाहन का सही अंदाजा नहीं लग सका। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर परिजनों को सौंप दिया है और फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है, वहीं ग्रामीणों में आक्रोश भी देखा जा रहा है।

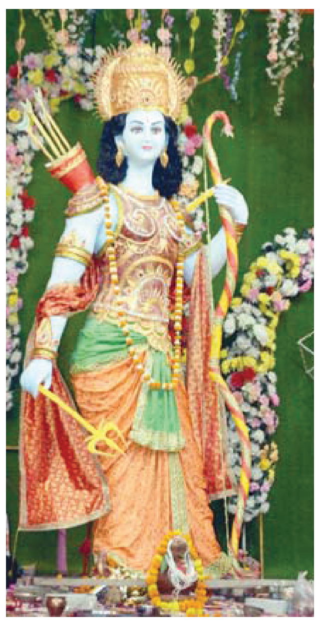

चैत्र नवरात्र : जगह-जगह विराजी गई श्रीराम प्रतिमा, दशरथ नंदन की भक्ति में डूबे नगरवासी

■ **मां शारदा के दर्शन को उमड़ रहे श्रद्धालु, नगर के देवी मंदिरों में गूंज रहे जयकारे**

नगर संवाददाता, सतना।

चैत्र नवरात्रि पर्व पर नगर में जगह-जगह भगवान श्रीराम की प्रतिमा स्थापित की गई है। सुबह शाम इन जगहों पर भगवान राम की आराधना करने श्रद्धालु काफी संख्या में उमड़ रहे हैं। शहर के खोवा मंडी अस्पताल तिराहा, न्यू कम्युनिटी हाल भुंजवा मोहल्ला व डाली बाबा तिराहे में भगवान श्रीराम की आकर्षक प्रतिमाएं श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं।

वहीं दूसरी ओर नवरात्र पर्व के अवसर पर श्रद्धालु मां भगवती की आराधना में लगे हुये हैं। एक तरफ भक्तजन मंदिरों में पहुंच कर दर्शन लाभ प्राप्त कर रहे हैं, तो दूसरी तरफ श्रद्धालु दुर्गा सप्तशती तथारामचरित मानस के नवाहपरायण का पाठ कर नवरात्रि उत्सव मना रहे हैं। नवरात्रि पर्व के छठवें दिन माता कात्यायिनी की पूजा की गयी। इसके साथ ही आने वाले श्रीरामनवमी उत्सव को लेकर भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

मैहर में नवरात्रि पर्व की धूम है, यहां मां शारदा के दर्शन को बड़ी तादाद में श्रद्धालु रोजाना पहुंच रहे हैं। मां शारदा के दरबार में प्रातःकाल से ही लबी-लबी कतारें लग रही हैं। श्रद्धालु अपनी-अपनी बारी का इंतजार करते हुये मां शारदा के दर्शन लाभ प्राप्त कर रहे हैं। इस संबंध में मां शारदा प्रबंध समिति से मिली जानकारी के अनुसार शाम तक करीब 85 हजार श्रद्धालुओं ने पहुंच कर मां शारदा के दर्शन किये। मां शारदा के दर्शन के लिये श्रद्धालु जहां वैन और रोपवे का उपयोग कर रहे हैं, वहीं पैदल सीढ़ियां चढ़कर मां शारदा के दर्शन कर रहे हैं।

कन्या पूजन और भोज का हो रहा आयोजन

नवरात्रि पर्व पर कन्या पूजन का विशेष महत्व होने के चलते प्रतिपदा से ही श्रद्धालु कन्या पूजन और कन्या भोज का आयोजन कर रहे हैं। स्थानीय देवी-देवालयों में तथा श्रद्धालु घर में भी कन्याओं का पूजन करते हुये उन्हें भोजन करा रहे हैं। मां के नौ स्वरूपों का प्रतिरूप मानकर श्रद्धालु नौ कन्याओं समेत एक लंगूर का भोजन कराते हैं।

संक्षिप्त समाचार

रवि शंकर ने लिया देहदान का संकल्प

सतना। संत मोतीराम आश्रम के महंत स्वामी खिम्यादास की प्रेरणा से प्रेरित होकर बमनगांव निवासी रवि शंकर पांडे सेवानिवृत जिला विपणन अधिकारी ने मरणोपरांत देहदान का संकल्प लिया। आश्रम के सेवादारी अतुल दुबे ने बताया रवि शंकर पांडे के पूर्व 142 लोगों ने मरणोपरांत देहदान का संकल्प ले चुके हैं। रविशंकर पांडे स्वामी खिम्यादास एवं डॉ : वाय एस परिहार डॉ :ललित गुप्ता डॉक्टर एम एम पांडे डॉक्टर माया पांडे डॉ विकास वाधवानी ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। भाई प्रह्लाद जी अतुल दुबे गोपीचंद कापड़ी नमो नारायण खत्री विमल मित्रा मुकेश अग्रवाल मनोहर मोरयानी अनिल चौरसिया प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

खिचड़ी प्रसाद का वितरण

सतना। लायंस क्लब सतना हेल्पिंग हैंड्स सतना द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को अनवरत जारी लायंस लंगर सेवा के तहत मंगलवार को श्री हनुमान जी मंदिर सी एम एच ओ आफिस के सामने धवारी सतना में खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया गया।

[आयोजन] श्री रामनवमी शोभायात्रा के स्वागत में सजा पूरा शहर, भव्य तैयारियां पूर्ण

शक्ति साधना रैली में मातृशक्ति ने दिखाया अद्भुत उत्साह, जय श्रीराम के उद्घोष से गूंजा नगर

नगर संवाददाता, सतना।

हिंदू पर्व समन्वय समिति द्वारा आयोजित श्री रामनवमी महोत्सव को लेकर पूरे नगर में धार्मिक उत्साह और भक्ति का अद्भुत वातावरण देखने को मिल रहा है। नगर के प्रमुख मार्ग भगवा ध्वज, पताकाओं और आकर्षक तोरण द्वारों से सज चुके हैं।

व्यापारियों एवं समाजसेवियों ने अपने-अपने प्रतिष्ठानों के सामने भव्य स्वागत द्वार बनाकर शोभायात्रा के स्वागत की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। इसी क्रम में मंगलवार सायंकाल मातृशक्ति द्वारा निकाली गई शक्ति साधना रैली ने पूरे शहर को भक्ति और ऊर्जा से भर दिया। सुभाष पार्क से प्रारंभ हुई यह रैली नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए पुरानी गल्ला मंडी परिसर में संपन्न हुई। रैली में शामिल मातृशक्ति ने शुभ्र वेश धारण कर केसरिया ध्वज लहराते हुए 'जय श्रीराम' के उद्घोष से वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

भव्य स्वागत के साथ संपन्न हुई रैली

सुभाष पार्क से प्रारंभ हुई इस रैली का समापन पीजीएम क्लब द्वारा पुरानी गल्ला मंडी परिसर में किया गया, जहां योगेंद्र अग्रवाल, ओमप्रकाश केशरवानी, राजकुमार अग्रवाल, कनक साहू सहित संपूर्ण टीम ने पुष्प वर्षा कर मातृशक्ति का भव्य स्वागत किया। लगभग 80 दोपहिया वाहनों के साथ निकली इस रैली में श्री राम जागरण रथ भी आकर्षण का केंद्र रहा। मातृशक्ति ने पूरे अनुशासन और उत्साह के साथ नगर भ्रमण कर श्री रामनवमी शोभायात्रा के लिए जनजागरण किया। रैली में प्रमुख रूप से चांदनी श्रीवास्तव, डॉ. मनीषा सोई, राजकुमारी शुक्ला, मनीषा सिंह, जान्हवी त्रिपाठी, अर्पिता सोनी, एड. अंजना तिवारी, किरण गुप्ता, राखी होतचंदानी, आयुषी तिवारी, कीर्ति रत्नानी, सिमरन होतचंदानी, प्रिया त्रिपाठी, अंजली पांडेय, प्रभा कुशवाहा, रश्मी सेनी, शीलम सेनी, कुसुम गौतम, रजनी गुप्ता, पूनम यादव, संगीता पांडेय, मोना चोपड़ा, अहिल्या सुहाने, माधुरी मिश्रा, पल्लवी सिंह, निशा जायसवाल, रीता त्रिपाठी, मधु वाल्मीकि, मेघा तिवारी, दिशा कनोजिया, सिया सिंह, नियति जायसवाल, सविता गुप्ता सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही।

नारी है समाज की सजग प्रहरी : लीना कोष्टा

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित केंद्रीय जेल अधीक्षक श्रीमती लीना कोष्टा ने मातृशक्ति की सराहना करते हुए कहा कि नारी केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि समाज की सबसे सजग प्रहरी भी है। उन्होंने कहा कि स्त्री का अष्टावधानी स्वरूप उसके बहुआयामी व्यक्तित्व को दर्शाता है, जो एक साथ कई जिम्मेदारियों को निभाने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि एक महिला घर-परिवार की देखभाल के साथ-साथ समाज में होने वाली गतिविधियों पर भी सतत दृष्टि रखती है। वह हर परिस्थिति में संतुलन बनाए रखने की अद्भुत क्षमता रखती है। इस प्रकार की रैलियां न केवल धार्मिक चेतना को जागृत करती हैं, बल्कि समाज में नारी शक्ति के महत्व को भी स्थापित करती हैं। श्रीमती कोष्टा ने जानकी टोली का अभिनंदन करते हुए सभी महिलाओं को समाज के उत्थान में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

भारतीय संस्कृति में नारी शक्ति का दिव्य स्वरूप : निर्मला माता

इस अवसर पर प्रणामी मंदिर की साध्वी निर्मला दीदी ने मातृशक्ति को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की सनातन परंपरा में नारी को सदैव शक्ति के रूप में पूजित किया गया है। हमारे मनीषियों ने भारत माता को ज्ञानदायिनी सरस्वती, वैभवदायिनी लक्ष्मी और दुष्ट विनाशिनी दुर्गा के समन्वित स्वरूप के रूप में देखा है। यह केवल प्रतीक नहीं बल्कि भारतीय समाज के मूल दर्शन का आधार है। उन्होंने आगे कहा कि अष्टभुजा देवी की आराधना का अर्थ है कि नारी में एक साथ अनेक कार्यों को संभालने की क्षमता होती है। आज की मातृशक्ति उसी शक्ति का जीवंत उदाहरण है, जो परिवार, समाज और राष्ट्र को एक सूत्र में बांधकर आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। रैली में उमड़ा यह उत्साह इस बात का प्रमाण है कि भारतीय संस्कृति की जड़ें आज भी उतनी ही मजबूत हैं।

श्रीआदिनाथ जिनालय की वर्षगांठ पर ध्वजा परिवर्तन आज

नगर संवाददाता, सतना।

श्री श्वेतांबर जैन संघ ट्रस्ट सतना द्वारा संचालित गांधी चौक स्थित श्री आदिनाथ जिनालय के संपूर्ण जिणोधार -प्रतिष्ठा उपरांत द्वितीय वर्षगांठ पर 25 मार्च बुधवार को ध्वजा परिवर्तन प्रातः 11 बजे किया जाएगा। श्री श्वेतांबर जैन संघ ट्रस्ट के प्रचार प्रमुख संदीप कुमार जैन ने बताया कि इस कार्यक्रम के लिए इंदौर से विधिकार अरविन्द भाई चौरड़िया एवं उनकी टीम भी सतना पधार चुकी है। जिनालय जी की वर्षगांठ पर प्रातः से ही विभिन्न मांगलिक कार्यक्रम प्रारम्भ हो जायेंगे।

सुबह 8.30 बजे : जिनालय मुख्य ध्वजा के लाभार्थी परिवार वोरा गुलाबचंद साकरचंद परिवार के घर गुजराती मार्केट से सभी ध्वजा के लाभार्थी परिवार ध्वजा लेकर सकल श्रीसंघ के साथ वाजते-गाजते श्री आदिनाथ जिनालय आएंगे। तत्पश्चात सुबह 8.45 बजे : सत्तरभेदी पूजा, सुबह 11 बजे : ध्वजा परिवर्तन, ध्वजा के लाभार्थी परिवार : जिनालय मुख्य शिखर-वोरा गुलाबचंद साकरचंद परिवार, कुन्थुनाथ भगवान- वोरा चमनलाल प्रेमचंद परिवार, मुनिसुव्रत स्वामी भगवान- वोरा दलसुखलाल मगनलाल परिवार, मणिभद्र वीर - मेहता हसमुखलाल

हेमचंद परिवार, नाकोड़ा भैरव देव - शाह नारायणजी रूपचंद परिवार, दादा गुरुदेव (शिखर) - वोरा सुरेशचंद्र अमृतलाल परिवार, दादा गुरुदेव (नीचे) : समदड़िया सुलोचना देवी केशरीचंदजी परिवार-जबलपुर, पद्मावती माता-दीक्षिता बेन कार्तिकभाई चौरसिया परिवार, महाकाली माता-वोरा नवीनचन्द अमृतलाल परिवार, सरस्वती माता-हेतलबेन शाह परिवार - बैंगलोर, पुण्डरीक स्वामी तोरण-वोरा सुरेशचंद्र अमृतलाल परिवार, गौतम स्वामी तोरण-वोरा दलसुखलाल मगनलाल परिवार, गौमुख यक्ष तोरण-मातुश्री नीताबेन नरेंद्रकुमार शाह परिवार, चक्केश्वरी देवी तोरण - वोरा दलसुखलाल मगनलाल परिवार ने प्राप्त किया है।

श्री रामा कृष्णा कॉलेज में 'ट्रांसफार्मर इंस्टॉलेशन व सुरक्षा' पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

नगर संवाददाता, सतना।

श्री रामा कृष्णा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, साइंस एंड मैनेजमेंट, करही के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान का मुख्य विषय ट्रांसफार्मर का इंस्टॉलेशन और सुरक्षा मापदंड था। विशेषज्ञ वक्ता इंजीनियर प्रवीन्द्र उर्मलिया, अशोक बिल्डकॉन लिमिटेड के प्रोजेक्ट मैनेजर रहे। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को किताबी ज्ञान से हटकर व्यावहारिक और औद्योगिक अनुभव प्रदान करना है, ताकि वे भविष्य की तकनीकी चुनौतियों के लिए तैयार हो सकें। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अग्निवेश अग्निहोत्री, डीन अभय मिश्रा, दीपेश निगम, अकादमिक प्रमुख शुभी खरे, विभागाध्यक्ष विपिन सिंह, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के समस्त स्टाफ मेंबर एवं छात्र व छात्रा मौजूद रहे।

परिवर्तन विचार मंच ने की विधायकों से मुलाकात

नगर संवाददाता, सतना।

परिवर्तन विचार मंच सतना के नदी पुनरुत्थान एवं जल संरक्षण अभियान को गति देते विचार मंच के पदाधिकारियों ने विगत दिनों नागेंद्र सिंह विधायक नागौद एवं श्रीकांत चतुर्वेदी विधायक मैहर से सौजन्य भेंट की। मुलाकात के दोरान विधायक द्वय ने उक्त अभियान की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए, हर संभव सहयोग एवं किसी भी समय क्षेत्र में जाकर हर प्रकार के सहयोग देने का आश्वासन दिया। भेंट के दौरानसंरक्षक रवि नंदन मिश्रा, सचिव अरुण भारतीय एवं सह सचिव आलोक सिंह परिहार उपस्थित रहे।

अनुपमा एजुकेशन सोसाइटी द्वारा मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय जल दिवस

नगर संवाददाता, सतना।

22 मार्च को जल जीवन मिशन द्वारा चलाई जा रही योजना सतना बाणसागर 2 समूह जल प्रदाय योजना के अंतर्गत परियोजना क्रियान्व्यक इकाई सतना के मार्गदर्शन में अनुपमा एजुकेशन सोसाइटी के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय जल दिवस के उपलक्ष्य में ग्राम जादवपुर कोठार विकासखंड नागौद में जनजागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे सरपंच रश्मि परोहा, सचिव शैलेन्द्र पाठक, संस्था से प्रोजेक्ट मैनेजर विनोद तिवारी, कम्युनिटी मोबाइजर ओंकार सिंह एवं अशोक चौधरी

उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में महिला, पुरुष और बच्चे सहभागी रहे। इसी प्रकार ग्राम सेमरिया विकासखंड सोहावल में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में सचिव शुक्ला जी, सरपंच अनुज सिंह एवं आशा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कम्युनिटी मोबिलाइजर रचना वर्मा, अनिल तिवारी और संजीव विश्वकर्मा द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में जल की गुणवत्ता, उपलब्धता एवं जल संरक्षण के विषय में जागरूक किया गया। साथ ही सतना बाणसागर 2 परियोजना की जानकारी तथा उसमें ग्रामीणजन की भूमिका के बारे में बताया गया। सभी ग्रामीणजनों ने जल संरक्षण हेतु संकल्प लिया और कार्यक्रम की सराहना की।

[कार्यक्रम] गहोई वैश्य पंचायतने किया पार्क का लोकार्पण

भरहुत नगर में राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की प्रतिमा का अनावरण

नगर संवाददाता, सतना।

शहर के भरहुत नगर में मैथिलीशरण गुप्त की प्रतिमा का भव्य अनावरण एवं गहोई वैश्य पंचायत द्वारा निर्मित राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त पार्क का लोकार्पण गरिमामयी वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में नगर के जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं बड़ी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति ने आयोजन को भव्यता प्रदान की। इस अवसर पर महापौर योगेश ताम्रकार, वरिष्ठ समाजसेवी बद्री प्रसाद यादव, ओंकार सरावगी, गोविन्द बड़ेरिया एवं आदित्य यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संजय गुप्ता ने की। प्रतिमा अनावरण के अवसर पर वक्ताओं ने राष्ट्रकवि के साहित्यिक योगदान

को स्मरण करते हुए कहा कि मैथिलीशरण गुप्त ने अपनी रचनाओं के माध्यम से राष्ट्रप्रेम, सामाजिक चेतना और भारतीय संस्कृति को सशक्त अभिव्यक्ति दी। उनकी कृतियां आज भी समाज को प्रेरित करती हैं और नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक बनी हुई हैं।

भरहुत नगर में स्थापित यह प्रतिमा एवं पार्क अब क्षेत्र के लिए प्रेरणा का प्रमुख केंद्र बनेंगे। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और युवाओं को महान व्यक्तित्वों के जीवन से सीखने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन सचिव पीयूष गुप्ता ने किया। अंत में सुरेश बड़ेरिया ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ सदस्य, महिला मंडल पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे, जिनमें संजय बड़ेरिया, पीयूष गुप्ता, कमलेश सेठिया, के.एल. रूसिया, संदीप खंताल, प्रमोद कुचया, गणेश शंकर सरावगी, कुलदीप चौधरी, ऋतुराज रूसिया, दिनेश चौदहा, आनंद कस्तवार, श्याम लाल गुप्ता, सुरेश बड़ेरिया, मनीष विजपुरिया, उमेश बड़ेरिया सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की सक्रिय भागीदारी रही। महिला मंडल की ओर से ममता मोर, अर्चना बड़ेरिया, गीता बरसैयां, इंदु रावत, अशोक अग्रवाल शीतल कुचया, विनीता कुचया, रागिनी बिजपुरिया, निधि खांताल सहित अनेक महिलाओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अमर शहीद हेमू कालाणी का मनाया गया 103 वां जन्मदिन

नगर संवाददाता, सतना।

राष्ट्रीय स्तर की सामाजिक संस्था भारतीय सिंधू सभा सतना शाखा के तत्वाधान में वीर सपूत अमर शहीद हेमू कालानी का 103वां जन्मदिन बड़े ही श्रद्धा और गर्व के साथ संस्थाध्यक्ष अशोक चांदवानी जी की अध्यक्षता में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा अमर शहीद हेमू कालानी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धापूर्ण जन्मदिन मनाते हुए उन्हें नमन किया। संस्था के महामंत्री विनोद गेलानी ने बताया इस अवसर पर एक विचार गोष्ठी आयोजित की गई जिसमें वक्ताओं ने हेमू कालानी जी के जीवन पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा हेमू एक ऐसे वीर सपूत थे जिन्होंने देश की आजादी के लिए मात्र 19 वर्ष की आयु में अपने प्राणों की आहुति दे दी। देश भक्ति में उनके अदम्य साहस अदभुत शौर्य एवं

पराक्रम पर न सिर्फ़ समाज बल्कि संपूर्ण राष्ट्र गर्व करता है। आइए हम सब मिलकर उनके आदर्शो पर चलने का संकल्प लें।

विचार गोष्ठी में गोपी गेलानी विक्रम चौधरी कन्हैयालाल पोहानी मनोहर आरतानी देवेंद्र सत्यवानी इंद्रलाल कापड़ी रंजीत सेनानी ने हेमू के जीवन पर प्रकाश डालते हुए अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का सफल संचालन महामंत्री विनोद गेलानी ने किया एवं आभार प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य श्री विजय जग्यासी ने व्यक्त किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य गोपी गेलानी प्रदेश उपाध्यक्ष श्री सतीश सुखेजा अध्यक्ष अशोक चांदवानी संभाग प्रभारी विक्रम चौधरी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मनोहर आरतानी विजय जग्यासी महिला शाखा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती राखी होतचंदानी युवा शाखा प्रदेश मंत्री देवेंद्र सत्यवानी अध्यक्ष विकास सुखेजा महिला शाखा अध्यक्ष सिमरन होतचंदानी विनोद गेलानी युवा महामंत्री जैकी छाबड़िया रंजीत सेनानी इंद्रलाल कापड़ी किशोर वलेचा बंसी नागदेव करतार कमरानी नारायण दास गुलाबी सागर जसवानी अमित घोगवानी रेशमा दुशेजा बबीता गंगवानी विनीता लखवानी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

3 से 11 अप्रैल तक लगेगा निःशुल्क कृत्रिम अंग शिविर

सतना। दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत सतना लोकसभा क्षेत्र में नि :शुल्क जयपुर फुट शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर सांसद गणेश सिंह के प्रयासों से आयोजित हो रहा है, जो भारत सरकार के इंडिया फॉर ह्यूमैनिटी मिशन का हिस्सा है। इस शिविर का आयोजन श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति जयपुर द्वारा किया जा रहा है, जो पिछले 50 वर्षों से दिव्यांगजनों को नि :शुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए जानी जाती है। लोकसभा क्षेत्र में यह शिविर 03 अप्रैल से 11 अप्रैल 2026 तक आयोजित किया जाएगा। सतना में यह शिविर बिरला कम्युनिटी हॉल, मार्केट सतना में 03 अप्रैल से 07 अप्रैल तक लगेगा। वहीं मैहर में पर्यटन सूचना केंद्र (बस स्टैंड के पीछे) पर 08 अप्रैल से 11 अप्रैल तक शिविर आयोजित होगा।

संक्षिप्त समाचार

गर्मियों में पेयजल आपूर्ति नियमित रखने के लिए उचित प्रबंध करें: कमिश्नर

रीवा। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित संभागीय बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा कि जल संरक्षण और संवर्धन हम सबकी नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी है। जलगंगा संवर्धन अभियान में सभी अधिकारी बढ़चढ़ कर योगदान दें। शासन के निर्देशों के अनुरूप नदियों के उद्गम स्थलों की सफाई पुरानी जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार तथा गत अभियान के अधूरे जल संरक्षण के कार्यों को पूरा कराने पर विशेष जोर दें। जल संरक्षण के संबंध में किए जा रहे प्रयासों का फोटो सहित विवरण जनसम्पर्क कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराकर प्रचार.प्रसार कराएं। ग्रामीण विकास विभागए शिक्षा विभागए नगरीय निकाय तथा उच्च शिक्षा विभाग मिलकर जल संरक्षण के संबंध में जागरूकता अभियान चलाएं। कमिश्नर ने कहा कि अधीक्षण यंत्री पीएचई गर्मियों में संभाग के हर बसाहट में पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक प्रबंध करें। हैण्डपंपों के सुधार के लिए सभी विकासखण्डों में तत्काल कंट्रोल रूम शुरू करें। राइजर पाइपए वाहन तथा अन्य संसाधनों के साथ हैण्डपंप सुधार के लिए टीम तैनात करें। पेयजल के संबंध में प्राप्त शिकायतों पर तत्परता से और संवेदनशीलता से कार्यवाही करें। जल गंगा संवर्धन अभियान में पीएचई और जल निगम के अधिकारी नलजल योजनाओं के स्त्रोत तथा हैण्डपंपों में रिचार्ज पिट बनाने का अभियान चलाएं। एकल नलजल योजनाओं का निर्माण कार्य 31 मार्च तक पूरा कराकर इसे ग्राम पंचायतों को हैण्डओवर करें। ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में पेयजल की नियमित आपूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। भ्रमण के दौरान आंगनवाड़ी केन्द्र उचित मूल्य दुकानों तथा अस्पतालों का निरीक्षण करके सामान्य जानकारी लें। अधिकारी 31 मार्च तक सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के पेंशन प्रकरण तत्काल पेंशन कार्यालय में प्रस्तुत कर दें। बैठक में संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, उपायुक्त एलएल अहिरवार, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे, अधीक्षण यंत्री पीएचई महेन्द्र सिंह, उप संचालक मछलीपालन डॉ. अंजना सिंह, सहायक संचालक कृषि प्रीति द्विवेदी, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा डॉ. आरपी सिंह, एसडीओ वन हेमेन्द्र खण्डेलवाल तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने किसानों के खेत में पहुंचकर रकबे का किया सत्यापन

रीवा। गेंहू उपार्जन के लिए किसानों द्वारा पंजीयन कराया गया है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने पटना एवं लक्ष्मणपुर ग्राम पंचायत में किसानों के खेतों में पहुंचकर पंजीकृत रकबे का सत्यापन किया। उन्होंने पटना ग्राम पंचायत के भूमि स्वामी किसान हरदयाल पाण्डेय के खेत में जाकर पंजीकृत रकबे का सत्यापन किया। इसी प्रकार लक्ष्मणपुर के किसान इन्दकुमार पाण्डेय व प्रमिला देवी द्वारा कराए गए फसल पंजीयन के रकबे का कलेक्टर ने मौके पर सत्यापन किया। उन्होंने उपस्थित तहसीलदार व पटवारी से किसानों द्वारा पंजीकृत रकबे की जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि शत.प्रतिशत रकबे का सत्यापन किया जाना सुनिश्चित करें। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, एसडीएम संजय जैन, तहसीलदार विनयमूर्ति मिश्र एवं राजस्व विभाग के मैदानी अमले के कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यालय से आये नये पांच वाहनों से पुलिस कार्यप्रणाली को मिलेगी मजबूती

■ पुलिस अधीक्षक ने पूजन कर दिखाई हरी झंडी

रीवा, नगर संवाददाता।

शहर में अपराधों की जांच अब और तेज व सटीक होने जा रही है। पुलिस को अत्याधुनिक एफएसएल मोबाइल फॉरेंसिक वैन की सुविधा मिल गई हैए जिससे मौके पर ही साक्ष्य जुटाने और उनका प्रारंभिक विश्लेषण करने में मदद मिलेगी। इस मोबाइल फॉरेंसिक यूनिट के जरिए अब घटनास्थल पर ही डिजिटलए फिंगरप्रिंट, डीएनए और अन्य अहम साक्ष्य सुरक्षित किए जा सकेंगे। इससे न सिर्फजांच की गति बढ़ेगी बल्कि अपराधियों तक पहुंचना भी आसान होगा। पुलिस अधिकारियों के अनुसार पहले साक्ष्यों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजना पड़ता था जिससे समय लगता था। लेकिन अब इस आधुनिक वैन की मदद से मौके पर ही कई अहम परीक्षण संभव हो सकेंगे। इससे साक्ष्यों के नष्ट होने की संभावना भी कम होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस सुविधा के शुरू होने से गंभीर अपराधों जैसे हत्या, चोरी, साइबर क्राइम और अन्य मामलों में तेजी से खुलासा हो सकेगा। पुलिस ने दावा किया है कि नई तकनीक के इस्तेमाल से अपराधियों की पहचान और गिर तारी में सफलता दर बढ़ेगी और कानून-व्यवस्था को और मजबूत किया जा सकेगा।

अधिक कार्यक्षमता वाले वाहनों से पुलिस को मिलेगी मदद

पुलिस मुख्यालय द्वारा रीवा पुलिस को आधुनिक वाहनों की सौगात दी गई है। एफएसल को आधुनिक वैन के साथ ही पुलिस को गश्त के लिए दो बोलेरो नियोए एक मिनी बस और एक ट्रक मिला है। मंगलवार को पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह ने उक्त वाहनों को पूजन के उपरान्त हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। पुलिस अधीक्षक ने वाहनों के पूजन के बाद अपने संबोधन में कहा कि इन नए वाहनों के समावेश से पुलिस की कार्यक्षमता, गतिशीलता एवं तकनीकी दक्षता में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। विशेष रूप से फॉरेंसिक वैन के माध्यम से घटनास्थल पर वैज्ञानिक साक्ष्यों का बेहतर प्रबंधन संभव होगा, जिससे अपराधों की जांच अधिक सटीक एवं प्रभावी बनेगी। उन्होंने यह भी कहा कि इन संसाधनों का मुख्य उद्देश्य आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करनाए अपराध नियंत्रण को मजबूत करना एवं आपातकालीन स्थितियों में त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराना है। रीवा पुलिस को एफएसएल मोबाइल फॉरेंसिक वैन (एमपी 03 जेडए 1487) टाटा विंगर के साथ दो नए बोलेरो नियो वाहन मिले है जो फील्ड ड्यूटी, त्वरित रिस्पॉन्स एवं प्रभावी गश्त को सुनिश्चित करेंगे। जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में पुलिस की पहुंच तेज होगी। इसके अलावा एक फोर्स मिनी बस पुलिस बल के सुगम आवागमन एवं कानून-व्यवस्था ड्यूटी के दौरान जवानों के सुरक्षित एवं व्यवस्थित परिवहन के लिए व एक टाटा ट्रक विभागीय लॉजिस्टिक्स, उपकरणों एवं अन्य भारी सामग्री के सुचारू परिवहन हेतु आवंटित किया गया है। जिससे विभिन्न अभियानों एवं व्यवस्थाओं में सुविधा प्राप्त होगी।

राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित ओलंपियाड परीक्षा में वनस्थली स्कूल के छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

रीवा, नगर संवाददाता।

इंडियन ओलंपियाड परीक्षा जो राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होती है, में राज्य स्तर रैंक हासिल करना एक बड़ी उपलब्धि है। इंडियन टैलेंट ओलंपियाड की ओर से आयोजित इंटरनेशनल ओलंपियाड परीक्षा 2025-26 में रीवा के वनस्थली के कक्षा 2 के छात्र संस्कार त्रिपाठी ने गणित विषय मे राज्य मे चौथी रैंक लाकर अपने माता पिता एवं विद्यालय का नाम रौशन किया, इन्हें इंडियन टैलेंट ओलिंपियाड की ओर से स्कालरशिप और मैडल दिया जायेगा। वहीं कक्षा तीसरी से शिवेष मिश्रा ने राज्य मे 23वी रैंक लाकर एक्सेलेंस अवार्ड एवं मैडल प्राप्त किया तो दूसरी ओर कक्षा 4 से आरुष पटेल ने 19वी रैंक लाकर एक्सेलेंस अवार्ड प्राप्त किया। इस वर्ष के ओलंपियाड में पूरे देश के लगभग 45000 विद्यालयों से लाखों छात्रों ने भाग लिया। जिसमें वनस्थली स्कूल रीवा के 150 से अधिक छात्र शामिल हुए थे जिसमें लगभग सभी बच्चों ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन दिया, जिन्हे विद्यालय डायरेक्टर डॉ. मनोज तिवारी एवं प्राचार्या दीप्ती अग्रवाल द्वारा अन्य प्रतिभागियों के क्लास टॉपर होने पर ट्राफी देकर उन्हें सम्मानित किया। आपको बता दें कि यह वह परीक्षा हैं जो छात्रों की योग्यता को प्रमाणित करती है। राज्य टॉपर्स को आमतौर पर गोल्ड मेडलए मेरिट सर्टिफिकेटए और स्कॉलरशिप से सम्मानित किया जाता है। विद्यालय ऐसे मेधावी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करता है। इंडियन टैलेंट ओलिंपियाड प्रति वर्ष कक्षा 1 से 10 तक के छात्रों के लिये विभिन्न विषयों में राष्ट्रीय स्तर पर परीक्षा आयोजित करता है।

5वीं व 8वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम आज होगा घोषित

रीवा, नगर संवाददाता।

राज्य शिक्षा केन्द्र, स्कूल शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश द्वारा बुधवार को कक्षा 5वीं एवं 8वीं का परीक्षा परिणाम घोषित किया जाएगा। विद्यार्थी सुबह 11.30 बजे से अपना परीक्षा परिणाम पोर्टल पर देख सकेंगे। 25 मार्च को परीक्षा परिणाम घोषणा की प्रक्रिया सुबह 11 बजे से राज्य शिक्षा केन्द्र कार्यालय के सभाकक्ष में संचालित की जाएगी। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा वेब पोर्टल की लिंक भी क्यूआर कोड के माध्यम से उपलब्ध कराई गई है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में कक्षा 5वीं एवं 8वीं की परीक्षा बोर्ड पैटर्न पर कराई गई थी। यह विगत 20 से 28 फरवरी के बीच हुई थी। जिसमें शासकीय, अशासकीय शालाओं एवं पंजीकृत मदरसों के विद्यार्थी शामिल हुए थे।

जिला अधिवक्ता संघ चुनाव प्रक्रिया में उच्च न्यायालय के स्थगनादेश पर डॉ. श्रद्धा सिंह ने जाहिर की खुशी

रीवा, नगर संवाददाता।

जिला अधिवक्ता संघ रीवा के चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए पहली बार महिला उ मीदवार के रूप में नामांकन पत्र दाखिल करने वाली डॉ. श्रद्धा सिंह ने मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के उस स्थगनादेश का स्वागत किया है जिसमें संबंधित चुनाव में महिला आरक्षण एवं चुनाव नियमावली संबंधी विसंगतियों को लेकर आगामी 8 अप्रैल को सुनवाई तारीख दी गई है। डॉ. श्रद्धा सिंह ने बताया कि जिला रीवा अधिवक्ता संघ के चुनाव में उनके द्वारा नामांकन पत्र भरने की अंतिम तारीख मंगलवार 17 मार्च 2026 को अध्यक्ष पद हेतु नामांकन किया गया था। उन्होंने बताया कि जिला अधिवक्ता संघ रीवा के अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए किसी भी वकील के लिए न्यूनतम 20 वर्ष पुराना रजिस्ट्रेशन होना जरूरी बताया गया है। खुशी की बात कि मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने जिला अधिवक्ता संघ रीवा के चुनाव में महिला आरक्षण एवं चुनावी नियमावली संबंधी विसंगतियों को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यहां के चुनाव पर स्थगनादेश दे दिया। डॉ श्रद्धा सिंह ने बताया कि आज देश भर में महिला सशक्तिकरण की बात होती है लेकिन जिला अधिवक्ता संघ रीवा के लंबे इतिहास में अभी तक अध्यक्ष पद पर किसी महिला की उ मीदवारी सुनिश्चित नहीं हो सकी। अध्यक्ष पद पर महिलाओं को चुनाव लड़ने से हमेशा रोका गया और इस चुनाव में मुझे भी नियमा वली को लेकर गुमराह किया गया । ऐसी स्थिति में किसी महिला के द्वारा चुनाव कैसे जीता जा सकता है। कभी नियमावली का हवाला देकर तो कभी सामाजिक दवाब बनाकर महिलाओं को अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने से रोका गया है। डॉ. श्रद्धा सिंह ने कहा कि अध्यक्ष पद पर महिला आरक्षण हो या ना हो लेकिन महिलाओं को चुनाव लड़ने की आजादी हमेशा रहना चाहिए। जिला अधिवक्ता संघ रीवा में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित होना चाहिए।

शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया

रीवा, नगर संवाददाता।

कालिकास संस्कृत अकादमी एवं ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा के संयुक्त तत्वावधान में आज सभागार में शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें विन्ध्य क्षेत्र संस्कृत साधना विषय पर विद्वानों को आमन्त्रित किया गया था। उद्घाटनसत्र में मंच में महर्षि पाणिति संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. शिवशंकर मिश्र, अवधेश प्रताप सिंह विवि रीवा के कुलगुरू प्रो. राजेंद्र कुड़रिया, विन्ध्य क्षेत्र प्रतिष्ठित विद्वान प्रो. मिथिला प्रसाद त्रिपाठी, ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. अर्पिता अवस्थी एवं कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन के निर्देशक डा. गोविन्द उपस्थित रहे। कुलगुरू डा. शिवशंकर मिश्र ने विन्ध्य के विद्वानों एवं उनकी कृतियों के स बन्ध में विस्तृत विचार व्यक्त किया। रीवा विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो0 कुड़रिया ने कहा कि हम संस्कृत के संरक्षण एवं संबर्धन हेतु प्रयासरत हूँ। सारस्वत अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. मिथिला प्रसाद त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में में कहा कि विन्ध्य क्षेत्र के बहुत से संस्कृत के विद्वान हुए है। यहा अधिकांश गॉवों में संस्कृत के विद्वान एवं कर्मचारी पण्डित विद्वान जो तत्कालिक रचना एवं विस्तृत रचना करने में सक्षम थे। उन्होंने कहा कि संस्कृत के विद्वानों की जो रचनाएं जो अप्रकाशित है एवं प्रकाशित होने पर भी लुप्तप्राय है। उन सभी के संरक्षण हेतु हमें निरन्तर प्रयास करना चाहिए। संस्कृत भाषा के ग्रन्थों को एकात्रित कर प्रकाशन करने हेतु संस्कृत विद्वानों को प्रकाशित कराने में सहयोग करना चाहिए। कालिदास अकादमी के निर्देशक डॉ. गोविन्द ने विन्ध्य क्षेत्र के संस्कृत विद्वानों को विन्ध्य क्षेत्र में प्रकाशित एवं अप्रकाशित ग्रन्थों का संग्रह करके कालिदास अकादमी द्वारा प्रकाशित करने की बात कहीं। प्रो. अर्पिता अवस्थी द्वारा आये हुए अतिथियों का स्वागत किया गया।

आज मानस भवन रीवा में महाकवि बाणभट्ट समारोह का आयोजन

रीवा, नगर संवाददाता।

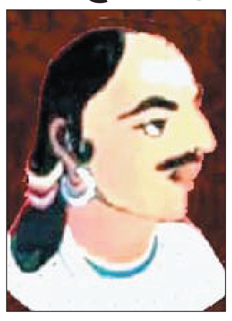

संस्कृत भाषा के छठी शताब्दी के महाकवि बाणभट्ट के साहित्य पर आधारित बाणभट्ट समारोह का आयोजन आज 25 मार्च को मानस मंडल रीवा द्वारा मानस भवन में अध्यक्ष सुभाष बाबू पाण्डेय के निर्देशन में संस्कृत भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन में संस्कृत साहित्य में बाण का योगदान पर आधारित व्या यानमाला का आयोजन किया गया है आयोजन में अनेक विद्वानों को आमंत्रित किया गया है जिसमें प्रो. रामाधार द्विवेदी, पूर्व प्रान्ताध्यक्ष. संस्कृत भारती, प्रो. सुद्यु नाचार्य राष्ट्रपति स मानित, प्रो. सूर्यनारायण गौतम अन्तरराष्ट्रीय साहित्यकार, एक लव्य विश्वविद्यालय, दमोह, प्रो. तुलसीराम परौहा साहित्य विभागाध्यक्षा महर्षि पाणिनि वैदिक एवं संस्कृत विश्वविद्यालय, उज्जैन, डॉ. ज्योत्स्ना द्विवेदी सहा. प्राध्यापक संस्कृत शास. ठा. रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा, डॉ. पूजा सहा. प्राध्यापक.प्राच्य संस्कृत शास. वेंकट संस्कृत महाविद्यालय रीवा, डॉ. बुद्धिमान प्रसाद द्विवेदी वेदाचार्य शास. वेंकट संस्कृत महाविद्यालय रीवा, डॉ. रमाकान्त त्रिपाठी साहित्याचार्य शास. वेंकट संस्कृत महाविद्यालय रीवा शामिल हैं।

श्रीराम जन्मोत्सव समिति व हिंदू उत्सव समिति धर्म परिवार की बैठक आयोजित

शहरवासियों से श्रीराम शोभायात्रा में शामिल होने की गुरमीत सिंह मंगू ने की अपील

रीवा, नगर संवाददाता।

श्रीराम जन्मोत्सव समिति व हिंदू उत्सव समिति धर्म परिवार की संयुक्त बैठक फोर्ट रोड स्थित कार्यालय में धर्म परिवार के अध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी गुरमीत सिंह मंगू की अध्यक्षता में हुई। उक्त बैठक में शहर के सर्व समाज के लोगों, व्यापारी बंधुओं से अधिक से अधिक सं या में रामनवमी 27 मार्च को शहर में निकलने वाली श्रीराम शोभा यात्रा में शामिल होने व भव्य स्वागत करने की अपील गुरमीत सिंह मंगू ने की। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम जी का जन्मोत्सव सभी को श्रद्धा भाव के साथ मनाना चाहिए। उन्होंने सभी से 27 मार्च को 3 बजे किला स्थित भगवान महामृत्युंजय मंदिर परिसर से प्रभु श्रीराम जी की गाड़ी पूजन उपरांत शहर भ्रमण में निकलने वाली शोभायात्रा में शामिल होकर जगह.जगह लोगों को खुले मन से स्वागत करते हुए प्रभु रामजी से यह आराधना करनी चाहिए कि रीवा शहर नशा मुक्त हो, लोग स्वस्थ रहें और रीवा में प्रेम भाई चारा कायम रहे। श्री मंगू ने यह भी कहा कि उन्होंने यह भी कहा कि धर्म परिवार अस्पताल चौराहे में श्रीराम शोभायात्रा का भव्य स्वागत कर यात्रा में शामिल होगा। वहीं श्रीराम जन्मोत्सव समिति के अध्यक्ष नरेश काली ने सभी से शोभायात्रा में परिवार सहित शामिल होकर ऐतिहासिक व यादगार बनाने की अपील की। उपस्थित पदाधिकारी व प्रबुद्ध जनों ने शहर के विभिन्न चौराहा में श्रीराम जी की शोभायात्रा का स्वागत करने का भी निर्णय लिया। साथ ही शोभायात्रा में सभी शहरवासियों से शामिल होने के लिए 25 मार्च को शाम जागरूकता वाहन रैली समिति द्वारा शहर में जय श्रीराम के नारों के साथ निकालने का निर्णय लिया गया। बैठक में वरिष्ठ समाजसेवी महेश ठारवानी, एडवोकेट श्रीप्रकाश तोमर, एडवोकेट दिलीप ठारवानी, अवधेश सिंह, विश्वनाथ सिंह, अशोक मिश्रा, देवांशु गौतम, प्रकाश गुप्ता, अमित ठारवानी, नारायण कुशवाहा, आलोक सिंह, अमर पटेल सहित राम भक्त उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर का शुभारंभ

रीवा, नगर संवाददाता।

शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा के राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन गोद ग्राम बरा पैपखार में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ नागेश त्रिपाठी के संयोजन में उल्लास पूर्ण वातावरण में किया गया उद्घाटन समारोह के मु य अतिथि ग्राम के वरिष्ठ नागरिक एवं सेवा निवृत्त यूपी उपाध्याय एवं विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्ति अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा श्री पांडे रहे सर्वप्रथम युवाओं के प्रेरणा शोध स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पांजलि एवं पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नागेश त्रिपाठी ने शिविर के उद्देश्य एवं शिविर के दौरान संचालित होने वाले विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं दिनचर्या के बारे में विस्तार से छात्र-छात्राओं से चर्चा की शिविर के दौरान डिजिटल साक्षरता स्वच्छता कार्यक्रम तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामवासियों को देना तथा उससे लाभान्वितो का सर्वे तथा स्वास्थ्य पर आधारित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कार्यक्रम में सहयोगी के रूप में डॉ. गुलाब धर , डॉ. प्रियंका तिवारी, देवेश पांडे, गायत्री मिश्रा, किरण एवं पीयूष मणि यादव एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय क्रियान्वयन समिति की बैठक संपन्न

रीवा, नगर संवाददाता।

कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में भावान्तर भुगतान योजना की जिला स्तरीय क्रियान्वयन समिति की बैठक संपन्न हुई। कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में सरसों उत्पादन किसानों को एक अप्रैल से 30 मई तक फसल बिक्री करने पर भावान्तर योजना का लाभ मिलेगा। उन्होंने रीवा, चाकघाट व बैकुंठपुर मंडियों में सरसों खरीदी के लिये सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि मंडी में निर्धारित शेड में सरसों की खरीदी करें तथा अन्य सभी व्यवस्थायें सुनिश्चित करायें। किसानों को फसल बेंचने में किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर बताया गया कि जिले में 8900 किसानों ने सरसों फसल विक्रय का पंजीयन कराया है जिसमें से 8200 किसानों का सत्यापन भी हो चुका है। कलेक्टर ने निर्देश दिये कि सत्यापन को गिरदावारी से मिलान करायें।

संपादकीय

क्यों छीने मताधिकार

असम, केरलम, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और संघशासित क्षेत्र पुडुचेरी में चुनावों की घोषणा एक असमंजस, संकट और गहरे सवालों के साथ की गई है। इन चार राज्यों और संघशासित क्षेत्र में कुल 17.4 करोड़ मतदाता अपने संवैधानिक मताधिकार का इस्तेमाल कर सरकारें चुनेंगे, लेकिन यह पहली बार हो रहा है कि 1 करोड़ 65 लाख से अधिक मतदाताओं का मताधिकार ही छीन लिया गया है। चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद इतने मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। क्या वे सभी घुसपैठिए बांग्लादेशी या रोहिंग्या थे? चुनाव आयोग इस सवाल पर स्पष्टीकरण नहीं देता। सबसे संवेदनशील और एक हद तक असंवैधानिक मामला पश्चिम बंगाल का है। वहां एसआईआर के तहत 63.66 लाख मतदाताओं के नाम काट दिए गए थे, लेकिन बाद में 10 लाख से अधिक मतदाताओं के दावे सही पाए गए, लिहाजा उन्हें मतदाता-सूची में शामिल कर लिया गया। अब भी 50 लाख से अधिक मतदाताओं की जांच जारी है, न्यायिक अधिकारी जांच कर रहे हैं और इसी बीच चुनावों की घोषणा कर दी गई। क्या ये 50 लाख से अधिक मतदाता वोट नहीं दे पाएंगे? क्या इतने व्यापक स्तर पर मताधिकार से वंचित कर चुनाव कराए जा सकते हैं? यह जांच कोलकाता उच्च न्यायालय की निगरानी में जारी है। बंगाल का यह मामला सर्वोच्च अदालत में भी उठ चुका है, लेकिन कोई स्पष्ट जवाब नहीं है कि इतने वोटों को काट देना क्या असंवैधानिक नहीं है? मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की दलील थी कि जो मतदाता जांच के दायरे में हैं और अभी उनके नाम मतदाता-सूची में दर्ज नहीं हैं, कमोबेश उन्हें विधानसभा चुनाव में वोट देने का अधिकार बहाल रखा जाए, लेकिन चुनाव आयोग नहीं माना।

नतीजतन बंगाल में 50 लाख से अधिक मतदाता इस चुनाव में वोट नहीं दे सकेंगे। क्या भारत का लोकतंत्र और संविधान इसीलिए 'महान' हैं? क्या चुनाव आयोग संविधान से भी ऊपर और निरंकुश है? यदि संदिग्ध मतदाता जांच के बाद सही पाए गए और चुनाव भी सम्पन्न हो गए और वे मताधिकार से वंचित रहे, तो इसका जिम्मेदार कौन होगा? क्या मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों आयुक्त बर्खास्त किए जा सकते हैं? कदापि नहीं, क्योंकि संविधान में सिर्फ महाभियोग के जरिए ही इन आयुक्तों को बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लोकसभा के 130 और राज्यसभा के 63 सांसदों ने हस्ताक्षर कर महाभियोग के नोटिस दे रखे हैं, लेकिन ज्ञानेश को नैतिकता की कोई चिंता नहीं है। वह राजनीतिक सवालों पर टिप्पणी भी नहीं करते और मीडिया के सवालों के जवाब भी नहीं देते। क्या वह अति-संवैधानिक अधिकारी हैं? आश्चर्य तो यह है कि इतने व्यापक स्तर पर मताधिकार छीनने का काम किया गया है और सर्वोच्च अदालत हस्तक्षेप नहीं कर सकती। क्या उसकी यही संविधान-संरक्षक की भूमिका है? बंगाल ही नहीं, एक और मामला बेहद महत्वपूर्ण और संविधान पर सवालिया है। केरलम के करीब 40 लाख नागरिक खाड़ी देशों में काम कर रहे हैं। तमिलनाडु के भी 11 लाख से अधिक नागरिक खाड़ी देशों में हैं। वे अब भी भारतीय नागरिक हैं। उनका पासपोर्ट और अन्य दस्तावेज भी भारतीय हैं। वे औसतन 50-51 अरब डॉलर भारत में अपने 'घरों' को भेजते हैं। यह धन भारतीय बैंकों में आता है, लिहाजा भारत की जीडीपी को भी बढ़ाता है। क्या चुनाव आयोग ने मतदाता-सूची शुद्धिकरण में इन 51 लाख से अधिक भारतीयों को भी 'वोटर' माना है? इसका भी कोई स्पष्ट जवाब नहीं है।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 14 और 'हम भारत के लोग'

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायिक निर्णयों के आलोक में सशक्त शोध

दिनेश चन्द सागर
(एडवोकेट)
लेखक-एडवोकेट दिनेश चंद सागर भूतपूर्व विशेष पुलिस महानिदेशक, IPS (पुलिस का वीरता पदक के प्रथम बार और अन्य राष्ट्रीय/राज्य पुरस्कारों से सम्मानित)

भारतीय संविधान की विशाल और गौरवशाली संरचना में, अनुछेद 14 केवल एक धारा मात्र नहीं है; यह वह आधारशिला है जिस पर हमारे लोकतंत्र का भव्य भवन टिका है। यह वह मौलिक वचन है जो यह सुनिश्चित करता है कि प्रस्तावना का उद्देश्य हम भारत के लोग कोई खोखली भावना नहीं, बल्कि एक जीवंत और प्रवर्तनीय वास्तविकता है। जैसे-जैसे हम 2026 के जटिल परिदृश्य में आगे बढ़ रहे हैं, जहाँ डिजिटल एल्गोरिदम और बदलते पारिवारिक ढांचे हमारे सामाजिक ताने-बाने को फिर से परिभाषित कर रहे हैं, अनुछेद 14 हमारा सबसे विश्वसनीय संवैधानिक दिशा-सूचक बना हुआ है। यह वह प्रहरी है जो भेदभाव और मनमानेपन की दोहरी बुराइयों के खिलाफ खड़ा है, जिसकी व्याख्या और रक्षा माननीय उचतम न्यायालय द्वारा निरंतर की जा रही है। प्रक्रिया से सिद्धांत तक

अनुछेद 14 की यात्रा गणतंत्र के शुरुआती वर्षों में शुरू हुई थी। प्रारंभ में, न्यायपालिका ने समानता को तर्कसंगत वर्गीकरण के एक संकीर्ण दृष्टिकोण से देखा था। पश्चिम बंगाल राय बनाम अनवर अली सरकार (1952) के ऐतिहासिक मामले में, माननीय उचतम न्यायालय के सामने एक ऐसा कानून था जो राय को त्वरित सुनवाई के लिए किसी भी मामले को विशेष अदालत में भेजने की अनुमति देता था। माननीय न्यायालय ने इसे यह कहते हुए खारिज कर दिया कि भले ही राय कानूनी उद्देश्यों के लिए लोगों को वर्गीकृत कर सकता है, लेकिन वह कार्यपालिका के अनियंत्रित विवेक के आधार पर ऐसा नहीं कर सकता। इसके परिणामस्वरूप राम कृष्ण डालमिया बनाम जस्टिस तेंदुलकर (1958) में ट्विन टेस्ट (दोहरा परीक्षण) का उदय हुआ। किसी भी कानून को अनुछेद 14 की कसौटी पर खरा उतरने के लिए दो शर्तों को पूरा करना आवश्यक था- पहला, वर्गीकरण एक बोधगम्य अंतर पर आधारित होना चाहिए यानी समूह में शामिल किए गए और बाहर रखे गए लोगों के बीच स्पष्ट अंतर हो। दूसरा, उस अंतर का उस कानून द्वारा प्राप्त किए जाने वाले उद्देश्य के साथ एक तर्कसंगत संबंध होना चाहिए। दशकों तक, माननीय उच न्यायालयों और शीर्ष अदालत में समानता का यही गणितीय दृष्टिकोण प्रभावी रहा।

बड़ी छलांग, मनमानेपन का अंत

वास्तविक सैद्धांतिक क्रांति 1970 के दशक में हुई। न्यायपालिका ने महसूस किया कि केवल तर्कसंगत संबंध नागरिक को राय की मनमानी से बचाने के लिए पर्याप्त नहीं था। ई.पी. रॉयप्पा बनाम तमिलनाडु राय (1974) में, माननीय न्यायमूर्ति पी.एन. भगवती ने पारंपरिक ढांचे को तोड़ दिया। उन्होंने घोषणा की कि समानता एक गतिशील अवधारणा है जिसके कई आयाम हैं, और इसे पारंपरिक सूत्रों में कैद नहीं किया जा सकता। माननीय न्यायाधीश ने लिखा, समानता, मनमानेपन की घोर विरोधी है। इस नए सिद्धांत ने स्थापित किया कि कोई भी कार्य जो मनमाना, राजनीति से प्रेरित या तर्कहीन है, वह अनुछेद 14 का उल्लंघन है। यह केवल शब्दों का बदलाव नहीं था; यह जिम्मेदारी का बदलाव था। अब राय को माननीय न्यायालयों के समक्ष अपने कार्यों की निष्पक्षता सिद्ध करनी थी। यह सिद्धांत मेनका गांधी बनाम भारत संघ (1978) में अपने चरम पर पहुँचा। अनुछेद 14 को अनुछेद 21 (जीवन का अधिकार) और अनुछेद 19 (मौलिक स्वतंत्रता) के साथ जोड़कर, माननीय उचतम न्यायालय ने एक स्वर्ण त्रिभुज का निर्माण किया। अब राय किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता को केवल कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया के माध्यम से नहीं छीन सकता था-वह प्रक्रिया अब न्यायसंगत, निष्पक्ष और उचित होनी अनिवार्य थी।

सामाजिक परिवर्तन के इंजन के रूप में समानता

प्रक्रियात्मक निष्पक्षता से परे, अनुछेद 14 ने भारत के सामाजिक परिवर्तन के इंजन के रूप में कार्य किया है। हमारे जैसे विविध और ऐतिहासिक रूप से जटिल देश में, कानून के समक्ष समानता का अर्थ हर किसी के साथ समान व्यवहार करना नहीं हो सकता। इसका अर्थ समान लोगों के बीच समानता होना चाहिए।इंद्रा साहनी बनाम भारत संघ (1992) में, माननीय उचतम न्यायालय ने जाति-आधारित आरक्षण के चुनौतीपूर्ण मुद्दे को सुलझाया। मंडल आयोग की सिफारिशों को बरकरार रखते हुए और आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत तय करते हुए, माननीय न्यायालय ने समानता के व्यक्तिगत अधिकार और सकारात्मक कार्रवाई के प्रति राय के कर्तव्य के बीच संतुलन बनाया। लैंगिक समानता की लड़ाई भी उतनी ही परिवर्तनकारी रही है। एयर इंडिया बनाम नरगेश मिर्जा (1978) में, माननीय न्यायालय ने उन सेवा नियमों को रद्द कर दिया जो एयर होस्टेस की पहली गर्भावस्था पर उनकी नौकरी समाप्त कर देते थे, इसे भारतीय नारीत्व का अपमान बताया। विशाखा बनाम राजस्थान राय (1997) तक आते-आते, माननीय उचतम न्यायालय ने कार्यस्थल पर उत्पीड़न के खिलाफ सुरक्षा अनिवार्य करने के लिए अनुछेद 14 का उपयोग किया। 2018 में, नवतेज सिंह जौहर बनाम भारत संघ में, माननीय न्यायाधीशों ने स्पष्ट किया कि अनुछेद 14 व्यक्ति के अलग होने के अधिकार की रक्षा करता है।

डिजिटल मोर्चा: एल्गोरिथम की मनमानी (2025)

जैसे ही हमने 2020 के दशक के मध्य में प्रवेश किया, समानता का युद्धक्षेत्र सड़कों से हटकर सर्वर रूम तक पहुँच गया। 2025 में, माननीय उचतम न्यायालय ने रायों की डिजिटल गवर्नेंस पहल के संबंध में एक अत्यंत महत्वपूर्ण निर्णय दिया। इन कानूनों ने कल्याणकारी योजनाओं के लिए पात्रता निर्धारित करने हेतु डेटा संग्रह और एल्गोरिथम प्रोफाइलिंग को अधिकृत किया था। माननीय उचतम न्यायालय का हस्तक्षेप आधुनिक संवैधानिक मूल्यों का उत्कृष्ट उदाहरण था। न्यायालय ने माना कि यद्यपि तकनीक शासन को बेहतर बना सकती है, लेकिन यह अनुछेद 14 को दरकिनार नहीं कर सकती। माननीय न्यायालय ने एल्गोरिथम पूर्वाग्रह को अनुछेद 14 का उल्लंघन माना। माननीय न्यायालय ने निर्देश दिया कि जब कोई एल्गोरिथम नागरिक के अधिकारों को प्रभावित करने वाला निर्णय लेता है, तो वह ब्लैक बॉक्स नहीं हो सकता। उसमें पारदर्शिता और मानवीय निगरानी अनिवार्य है।

परिवार की पुनर्व्याख्या: दत्तक माताओं के लिए 2026 का ऐतिहासिक निर्णय

में, माननीय उचतम न्यायालय ने पारिवारिक कानून में भेदभाव के एक पुराने अवशेष को संबोधित किया। हंसनंदिनी नंदूरी बनाम भारत संघ में, माननीय न्यायालय ने सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 की समीक्षा की। एक विशिष्ट प्रावधान ने मातृत्व लाभ को केवल उन दत्तक माताओं तक सीमित कर दिया था जिन्होंने तीन महीने से कम उम्र के बचे को गोद लिया था। एक अधिवक्ता और पूर्व कानून प्रवर्तन अधिकारी के रूप में, यह मामला मेरे लिए विशेष रूप से मर्मस्पर्शी था। माननीय न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और माननीय न्यायमूर्ति आर. महादेवन की माननीय पीठ ने इस आयु सीमा को स्पष्ट रूप से मनमाना घोषित करते हुए रद्द कर दिया। माननीय न्यायाधीशों ने सही कहा कि एक माँ और दत्तक बचे के बीच का बंधन गोद लेने के समय बचे की उम्र पर निर्भर नहीं होता। यह निर्णय सुनिश्चित करता है कि समावेशी पितृत्व अब एक संरक्षित संवैधानिक मूल्य है।

राष्ट्र की नैतिक धड़कन

अनुछेद 14 भारत की नैतिक धड़कन है। यह वह प्रावधान है जो प्रत्येक पुलिस अधिकारी, प्रत्येक नौकरशाह और प्रत्येक न्यायाधीश को याद दिलाता है कि वे जिस शक्ति का प्रयोग करते हैं वह जनता की ओर से दी गई एक अमानत है। भारतीय पुलिस सेवा में सेवा देने के नाते, मैंने प्रत्यक्ष देखा है कि कानूनों का समान संरक्षण ही वह एकमात्र दीवार है जो नागरिक और सत्ता के दुरुपयोग के बीच खड़ी होती है। जब पुलिस किसी अपराध की जाँच करती है, तो अनुछेद 14 मांग करता है कि प्रक्रिया निष्पक्ष हो। जब राय संसाधनों का वितरण करता है, तो अनुछेद 14 निष्पक्षता की मांग करता है। इन मानकों से कोई भी विचलन माननीय उच न्यायालयों और माननीय उचतम न्यायालय की सुधारात्मक निगरानी के अधीन है।हालाँकि, अनुछेद 14 की जिम्मेदारी केवल माननीय न्यायपालिका पर नहीं है। यह हम भारत के लोग पर भी है। कानून रद्द किए जा सकते हैं और माननीय न्यायाधीशों द्वारा निर्णय लिखे जा सकते हैं, लेकिन समानता तभी वास्तविकता बनती है जब इसका अभ्यास हमारे दैनिक जीवन में-हमारे कार्यालयों, घरों और डिजिटल व्यवहार में किया जाए।

निष्कर्ष: एक अनंत खोज

जैसे-जैसे भारत अपनी स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष की ओर बढ़ रहा है, अनुछेद 14 हमारा सबसे महत्वपूर्ण जीवंत संकल्प बना हुआ है। चाहे वह 2025 में एक अनुचित एल्गोरिथम से नागरिक की रक्षा करना हो या 2026 में एक दत्तक माता को उसकी गरिमा दिलाना हो, अनुछेद 14 सिद्ध करता है कि भारतीय संविधान एक क्रांतिकारी दस्तावेज है। यह हमें याद दिलाता है कि एक सचे लोकतंत्र में, कोई भी कानून से ऊपर नहीं है, और कोई भी कानून से नीचे नहीं है। यह वह अडिग प्रकाश है जो हर भारतीय के लिए न्याय, स्वतंत्रता और समानता के वादे को आलोकित करता रहता है।महान संविधानविदों के शब्दों में, हमें यह दस्तावेज किसी संग्रहालय में रखने के लिए नहीं, बल्कि इसके अनुसार जीने के लिए मिला है। अनुछेद 14 उस जीवन की धड़कन है, जिसे माननीय न्यायपालिका द्वारा सदैव संरक्षित रखा जाएगा।

जब कलेक्टर गांव में रात नहीं बिता रहे तो मंत्रियों की बात ही छोड़ दो...

अभी तक तो प्रदेश के मुखिया अपने अफसरों विशेष कर कलेक्टर और कमिश्नरों को गांव में रात बिताने का उपदेश देते रहे लेकिन किसी ने ये हिम्मत नहीं दिखाई अब ये पता लगा है कि प्रदेश के मुखिया जी ने मंत्रियों को भी अपने-अपने प्रभार के जिलों में रुकने और जिले के किसी   गांव में रात बिताने और बैठक लेने के निर्देश दिए थे लेकिन जो खबरें आई है उसमें ये पता लगा है कि किसी प्रभारी मंत्री ने एक या दो बैठक ली तो किसी ने मात्र एक दिन उस शहर में बिताया अब आप ही बताओ कि जब कलेक्टर कमिश्नर गांव में रात बिताने तैयार नहीं तो फिर मंत्रियों से कैसे उम्मीद की जा सकती है । अपने को तो कई बरस हो गए ये फरमान सुनते और अखबारों में पढ़ते, जो भी सरकार आती है जो भी मुख्यमंत्री बनता है तो वो अपने मंत्रियों को कहता है कि आप लोगों को जिस जिले का प्रभार दिया गया है वहां बैठकें करे उधर की समस्याओं से दो चार हों , बेहतर हो कि अगर उस इलाके के किसी गांव में आप अगर रात बिताते हैं तो वहां की समस्याओं से आप परिचित हो पाएंगे पर अपने को तो अभी तक का इतिहास ये बताता है कि ये एक फॉर्मेलिटी है जिसे हर मुख्यमंत्री और सरकार निभाती रहती है, इधर मंत्री भी इस निर्देश के बाद सोचते है कि हम लोगों   ने रात दिन मेहनत की है तब कहीं जाकर मंत्री बने हैं कितने पापड़ बेलने पड़े तब जाकर ये जलवा अपने कब्जे में आ पाया है और क्या इसलिए मंत्री बने हैं कि अपना बड़ा बंगला, अपना एयर कंडीशन ऑफिस, छोड़कर गांव में जाकर रात बिताए, पेड़ के नीचे खटिया बिछा कर सोएं, अपने आप को मच्छरों से कटवाए ,दिशा मैदान के लिए जंगल जाएं । हम लोग तो राज करने के लिए पैदा हुए और राज करते रहेंगे , वैसे भी फुर्सत किसको है अपने प्रभार वाले जिले में जाने की और बैठकें लेने की । आजकल तो टेक्नालॉजी इतनी आगे बढ़ गई है कि हम भोपाल में बैठे बैठे अपने जिले के अफसरों की बैठक वीसी के माध्यम से ले सकते हैं तो फिर काहे को राजधानी छोड़कर इधर उधर मारे मारे फिरें और फिर आजकल भरोसा भी तो नहीं है कुर्सी का ,कब नीचे से खिसक जाए इसलिए राजधानी में रहकर कुर्सी को मजबूती से पकड़ कर रखना भी तो मजबूरी है । दो ढाई तीन एकड़ में हमारा बंगला होता है जहां हम सब्जी भाजी भी उगा लेते हैं अब आप बताइए कि जब ऐसा ऐशो आराम हमारे साथ है तो हम जिले या गांव में जाकर करेंगे क्या? झोपड़ी में रहेंगे, हैंड पंप चलाकर अपनी प्यास बुझाएंगे, ये सब अपने से ना हो सकेगा गांव वालों को या प्रभार वाले जिले के लोगों को कोई परेशानी है तो आ जाएं भोपाल, हम यहीं बैठे बैठे सब ठीक कर देंगे। अपन शर्त लगा सकते हैं कि आज तक किसी अफसर ने गांव में रात नहीं बिताई तो जब अफसर रात बिताने में पीछे हैं तो मंत्रियों की तो बात ही छोड़ दो।

आलू कहना महंगा पड़ गया

ब्रिटेन के एक इंजीनियर को एक आयरिश महिला को आलू कहना इतना महंगा पड़ गया कि उस बेचारे को 29 लख रुपए का मुआवजा देना पड़ गया । दरअसल आयरलैंड आलू की फसल उगाने में सबसे आगे है वहां आलू का सबसे ज्यादा उत्पादन होता है इसलिए जब ब्रिटेन के एक इंजीनियर को आयरिश महिला दिखाई दी तो उसने उसे आलू कहकर पुकार लिया, बस फिर क्या था महिला तो महिला और फिर आइरिश, उसने तत्काल में उस इंजीनियर पर मानहानि का मामला दर्ज करवा दिया उसका कहना था कि यदि किसी देश में भिंडी ज्यादा उत्पादित हो रही हो तो क्या वहां की महिलाओं को भिंडी करके बुलाओगे, या कहीं सकले का ज्यादा उत्पादन हो रहा हो तो क्या वहां के पुरुष को सकलाकहकर बुलाओगे किसी देश में गोभी की फसल ज्यादा हो रही है तो क्या किसी महिला को गोभी के नाम से पुकारोगे ,मामला चला और फिर ये आदेश हुए कि आलू नाम से जिस महिला को पुकारा गया है वो उसके सम्मान पर कुठाराघात है इसलिए इंजीनियर साहब आप 29 लाख रुपया उस महिला को बतौर मुआवजा दो। अपने को तो पता लगा है कि इतना पैसा देने के बाद वो इंजीनियर इतना डर गया है कि अब उसने आलू तक खाना छोड़ दिया है कि क्या पता कब मुंह से आलू शब्द निकल जाए और कोई उस पर मानहानि का मुकदमा ठोक दे, हाल ये है कि अगर उसको सपने में भी आलू दिख जाता है तो बेचारा घबरा के उठ जाता है और रात भर नहीं सोता लोग बाग कहते हैं कि आलू सबसे दमदार सब्जी मानी जाती है इस बात पर अब पूरा भरोसा हो गया कि आलू से बढ़कर दुनिया में कोई नहीं है एक आलू 29 लाख का मुआवजा दिला सकता है इससे बड़ी बात क्या हो सकती है ।

मोहब्बत हो तो ऐसी

मोहब्बत के कई किस्से अपन ने सुने हैं लैला मजनू, शीरी फरहाद, रोमियो जूलियट,सलीम अनारकली जिन्होंने अपनी मोहब्बत के लिए पता नहीं क्या-क्या कर डाला। फरहान ने तो शीरी के लिए नहर खोद डाली थी, मजनू रेगिस्तान के जंगलों में लैला लैला पुकारता हुआ घूमता था, लेकिन ये सब बालिग प्रेमी थे इसलिए उनकी मोहब्बत भी बालिग हो गई थी लेकिन जर्मनी में एक नाबालिक 15 वर्षीय बालक ने अपनी गर्लफ्रेंड जो कुल जमा 14 साल की थी उसे स्कूल ले जाने के लिए एक बस चुरा ली और 130 किलोमीटर दूर स्कूल में उसको स्कूल छोड़कर आ गया,बेचारा जब वापस लौट रहा था तब पुलिस ने जीपीएस के सहारे उसको धर पकड़ा और बस जप्त कर ली। अरे भाई उसको तो इनाम देना चाहिए जो अपनी मोहब्बत को स्कूल छोड़ने के लिए 130 किलोमीटर बस चला कर ले गया सोचो उसका शिक्षा के प्रति कितना अनुग्रह था उसको लगा कि एक दिन भी उसकी गर्लफ्रेंड स्कूल नहीं पहुंच पाएगी तो उसका ज्ञान कमजोर हो जाएगा उसने भी आव देखा न ताव एक बस चुराई और अपनी गर्लफ्रेंड को स्कूल तक पहुंचा दिया बहरहाल चूंकि वह नाबालिक था इसलिए कानूनी कार्यवाही नहीं हुई लेकिन कहते हैं ना कि मोहब्बत में इंसान कुछ नहीं देखता और इसलिए उसने भी ये नहीं देखा कि अगर वह बस चुरायेगा तो कहीं ना कहीं पकड़ तो जाएगा लेकिन उसे इस बात का संतोष है कि उसने अपनी गर्लफ्रेंड को सही टाइम पर स्कूल पहुंचा दिया ।

भगवान श्रीहरि विष्णु के 1000 नाम से बदल जाएगी किस्मत

गुरुवार का दिन भगवान श्रीहरि विष्णु और देवगुरु बृहस्पति को समर्पित होता है। ज्योतिष और हिंदू धर्मग्रंथों के मुताबिक इस दिन कुछ विशेष उपायों को करने से जीवन की बड़ी से बड़ी मुश्किल का समाधान हो जाता है। ऐसे में अगर आप भी किसी तरह की समस्या से परेशान हैं, शादी में अड़चन है, जीवन में आर्थिक तंगी है या हमेशा मन अशांत रहता है। तो आपके लिए विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करना एक चमत्कारिक उपाय साबित हो सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि भगवान विष्णु के 1000 नाम कैसे आपके जीवन को बदल सकते हैं। महाभारत केअनुशासन पर्व में वर्णित यह स्त्रोत तब अस्तित्व में आया, जब भीष्म पितामह ने मृत्युशैया पर लेटे हुए धर्मराज युधिष्ठिर को ज्ञान दिया था। उन्होंने कहा था कि भगवान श्रीहरि के इन 1000 नामों का जाप की कलियुग में सभी दुखों से मुक्ति का सबसे आसान रास्ता है। अक्सर कुंडली में गुरु ग्रह कमजोर होने की वजह से विवाह में देरी होती है या रिश्ते टूट जाते हैं। गुरुवार को विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करने से गुरु ग्रह बलवान होता है। जिससे विवाह में आने वाली रुकावटें दूर होती हैं और एक सुखी वैवाहिक जीवन का मार्ग प्रशस्त होता है। अगर आपकी कुंडली में गुरु दोष है, तो आपको काम में असफलता, स्वास्थ्य समस्याएं या निर्णय लेने में परेशानी हो सकती है। भगवान विष्णु साक्षात गुरुओं के भी गुरु हैं। उनकी स्तुति करने से बृहस्पति देव प्रसन्न होते हैं और कुंडली के अशुभ प्रभाव कम होने लगते हैं। भगवान विष्णु कोलक्ष्मी पति कहा जाता है। जहां पर नारायण का निवास होता है, वहां पर मां लक्ष्मी स्वयं खिंची चली आती हैं। इस स्त्रोत के नियमित पाठ करने से घर से दरिद्रता दूर होती है और जातक को मानसिक शांति मिलती है। गुरुवार को सुबह जल्दी स्नान आदि करें और इस दिन पीले रंग के कपड़े पहनना शुभ माना जाता है। फिर भगवान विष्णु की मूर्ति या प्रतिमा के सामने घी का दीपक जलाएं और पीले फूल अर्पित करें। अगर आप संस्कृत में पाठ नहीं कर सकते हैं। तो आप इसका ऑडियो भी सुनना प्रभावशाली माना जाता है।

25 मार्च बलिदान दिवस

गणेश शंकर विद्यार्थी : हिंदी पत्रकारिता के निर्भीक स्तंभ

है नहीं शमशीर मेरे
हाथ में तो क्या हुआ,
मैं अपनी कलम से ही करूंगा
दुश्मनों के सर कलम ।

डॉ. अशोक कुमार भार्गव
पूर्व आईएएस
मोटिवेशनल स्पीकर
इंदौर, मप्र

निसंदेह हिंदी पत्रकारिता जगत के निर्भीक,क्रांतिकारी पत्रकार, स्वाधीनता सेनानी, समाजसेवी और कुशल राजनीतिज्ञ गणेश शंकर विद्यार्थी ने आजादी की लड़ाई में अपनी कलम को ही अपना अस्त्र बना लिया। उनके पास सत्ता की ताकत नहीं थी किंतु अपनी बेबाक धारदार कलम से अंग्रेज हुकूमत की दमनकारी नीतियों, सामाजिक अन्याय, शोषण और जमींदारों, सामंतों के अत्याचारों के विरुद्ध राष्ट्रहित जनहित में इंकलाब का उद्घोष किया।

26 अक्टूबर1890 को इलाहाबाद में जन्मे विद्यार्थी का बचपन मध्य प्रदेश के वर्तमान अशोकनगर जिले के मुंगावली में बीता। प्रारंभिक शिक्षा प्रयागराज में हुई। पढ़ाई के दौरान ही उनका विवाह हो गया। कानपुर कर्म स्थली रही। कानपुर के सूती मिल के मजदूरों की दुर्दशा देख उनके हितों के संघर्ष हेतु उन्हें संगठित किया।1908 में कानपुर करंसी में नौकरी की बाद में हाई स्कूल में शिक्षक बने किंतु दोनों ही स्थान पर देश प्रेम को समर्पित अभ्युदय पत्रिका पढ़ने से मना करने पर स्वाभिमानी विद्यार्थी ने नौकरी से त्यागपत्र दे दिया। 1913 में महाराणा प्रताप के पराक्रम से प्रेरित होकर प्रताप नामक साप्ताहिक पत्र प्रारंभ किया। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने आशीष स्वरुप प्रताप के लिए यह पंक्तियां प्रेषित की जिसको न निज गौरव तथा निज देश का अभिमान है, वह नर नहीं नर पशु निरा है और मृतक समान है विद्यार्थी ने इसे आरंभ से अंत तक प्रताप का मूल मंत्र बना पत्रकारिता को सामाजिक कर्म का प्रतीक निरूपित किया। प्रताप का समग्र सृजन नैतिक मूल्यों, आदर्शों, जन आंदोलनों और आजादी की लड़ाई के प्रति प्रतिबद्ध था। स्वाधीनता संग्राम के उचतम प्रतिमानों से प्रेरित होकर विद्यार्थी ने प्रताप के पहले अंक में प्रताप की नीति लेख लिखा जो आज भी पत्रकारिता के आदर्श घोषणा पत्र के रूप में प्रतिष्ठित है। वे लिखते हैं आज अपने हृदय में नई-नई आशाओं को धारण करके और अपनी उद्देश्यों पर पूर्ण विश्वास रखकर प्रताप कर्म क्षेत्र में आता है। समस्त मानव जाति का कल्याण हमारा परमोद्देश्य हैऔर इसकी प्राप्ति का एक बहुत बड़ा जरूरी साधन हम भारतवर्ष की उन्नति को समझते हैं। वे प्रताप के माध्यम से अपनी ज़िम्मेदारियों को रेखांकित करते हुए लिखते हैं हम अपने देश और समाज की सेवा के पवित्र काम का भार अपने ऊपर लेते हैं। हम अपने भाइयों और बहनों को उनके कर्त्तव्य और अधिकार समझाने का यथाशक्ति प्रयत्न करेंगे। राजा और प्रजा में,एक जाति और दूसरी जाति में, एक संस्था और दूसरी संस्था में बैर और विरोध, अशांति और असंतोष ना होने देना हम अपना परम कर्तव्य समझेंगे। इसी लेख में वे पत्रकारिता के उद्देश्यों को स्पष्ट करते हुए लिखते हैं किसी की प्रशंसा या अप्रशंसा, किसी की प्रसन्नता या अप्रसन्नता, किसी की

घुड़की या धमकी हमें अपने सुमार्ग से विचलित न कर सकेगी। सत्य और न्याय हमारे भीतरी पथ प्रदर्शक होंगे। सांप्रदायिक और व्यक्तिगत झगड़ों से प्रताप सदा अलग रहने की कोशिश करेगा। उसका जन्म किसी विशेष सभा, संस्था, व्यक्ति या मत के पालन पोषण, रक्षण या विरोध के लिए नहीं हुआ है किंतु उसका मत स्वातंर्त्य विचार और उसका धर्म सत्य होगा। हम जानते हैं कि हमें इस काम में बड़ी-बड़ी कठिनाइयों को सामना करना पड़ेगा और इसके लिए बड़े भारी साहस और आत्म बल की आवश्यकता है। हमें यह भी अछी तरह मालूम है कि हमारा जन्म निर्बलता, पराधीनता और अल्प सत्ता के वायुमंडल में हुआ है तो भी हमारे हृदय में सत्य की सेवा करने के लिए आगे बढ़ने की इछा है। हम न्याय में राजा और प्रजा दोनों का साथ देंगे परंतु अन्याय में दोनों में से किसी का भी नहीं। हमारी यह हार्दिक अभिलाषा है कि देश की विविध जातियों,संप्रदायों और वर्णों में परस्पर मेल मिलाप बढ़े। विद्यार्थी का अपने सिद्धांतों और मूल्यों के प्रति समर्पण अद्भुत था। अपने उद्देश्यों से भटकना वे मृत्यु के समान मानते थे। इसीलिए वह स्पष्ट करते हैं कि जिस दिन हमारी आत्मा ऐसी हो जाए कि हम अपने प्यारे आदर्श से डिग जावें, जानबूझकर असत्य के पक्षपाती बनने की बेशर्मी करें और उदारता, स्वतंत्रता तथा निष्पक्षता को छोड़ देने की भीरुता दिखाए,वह दिन हमारे जीवन का सबसे अभागा दिन होगा और हम चाहते हैं कि हमारी उस नैतिक मृत्यु के साथ ही हमारे जीवन का भी अंत हो जाए। विद्यार्थी की पत्रकारिता का यह कालजयी दर्शन आधुनिक भारतीय पत्रकारिता का प्रकाश स्तंभ है। यद्यपि विद्यार्थी ने स्वराज अखबार से उर्दू में लिखना प्रारंभ किया था किंतु हिंदी के प्रति उनके ममत्व ने उन्हें हिंदी में लिखने हेतु प्रेरित किया।उन्होंने हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के हर संभव प्रयासों में अप्रतिम योगदान दिया। वह भाषा की महत्ता को गंभीरता से समझते थे इसीलिए एक बार बड़ी गहराई में उतर कर उन्होंने लिखा था मुझे देश की आजादी और भाषा की आजादी में से किसी एक को चुनना पड़े तो मैं निस्संकोच भाषा की आजादी चुनूंगा। देश की आजादी के बावजूद भाषा की गुलामी रह सकती है लेकिन अगर भाषा आजाद हुई तो देश गुलाम नहीं रह सकता। भाषा हमारे जातीय जीवन और संस्कृति की रक्षिका, शील का दर्पण और विकास का वैभव है। पराई भाषा चरित्र की दृढ़ता का अपहरण कर लेती है,मौलिकता का विनाश कर देती है और नकल करने का स्वभाव बना कर उत्कृष्ट गुणोंऔर प्रतिभा से नमस्कार करा देती है।

उन्होंने हिंदी को साहित्यिक जटिलता से मुक्त कर भारत के स्वाधीनता संग्राम, जन जागरण, सांप्रदायिक सद्भाव, मजदूरों, किसानों और आम आदमी की भाषा बनाया। उनके लेखों में हिंदी सरल बोधगम्य सशक्त विद्रोही भाषा के रूप में विकसित हुई। उन्होंने विक्टर ह्यूगो के प्रसिद्ध उपन्यास नाइंटी थ्री का हिंदी में बलिदान नाम से अनुवाद किया। हिंदी में शेखचिल्ली की कहानियां लिखी। हिंदी साहित्य सम्मेलनों में सक्रिय भागीदारी की और सरस्वती, कर्मयोगी, स्वराय, हित वार्ता में उनके क्रांतिकारी लेख प्रकाशित होते रहे। विद्यार्थी की प्रेरणा से 1924 में कानपुर कांग्रेस अधिवेश में श्यामलाल गुप्त पार्षद द्वारा रचित झंडा गीत विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा का स्वागत गीत के रूप में सामूहिक गायन प्रस्तुत किया गया। यह गीत आज भी देशवासियों के मन में ऊर्जा का संचार करता है।

अंग्रेज हुकूमत ने 23 मार्च 1925 को शहीद ऐ आजम भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फांसी की सजा सुना दी। समग्र राष्ट्र शोक संतप्त हुआ। कानपुर में सांप्रदायिक दंगे भड़क गए। सर्व धर्म समभाव को भारत की आत्मा मानने वाले विद्यार्थी स्वयं सेवकों के साथ हिंदू मुस्लिम दंगों की धधकती वाला को शांत करने, पीड़ित परिवारों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए उनके बीच चले गए। इसी दौरान दंगाइयों ने उनकी नृशंस हत्या कर दी। दो दिन बाद लाशों के ढेर में उनके शव की पहचान की गई। हैवानियत के उस नर्क में आजादी का स्वप्न देखने वाली आंखें सदा के लिए बंद हो गई। जिस धार्मिक कट्टरता और उन्माद को शांत करने के लिए वे जीवन भर संघर्ष करते रहे उसी ने प्रताप को जीवन देने वाली लेखनी के साहसी योद्धा की जीवन यात्रा का ही जघन्य अवसान कर दिया।आजादी के लिए बलिदानों के महाकाव्य लिखने वाले असंख्य हुतात्माओं में गणेश शंकर विद्यार्थी का नाम सांप्रदायिक सद्भाव, मानवीय कल्याण, देश प्रेम देशभक्ति के निर्भीक इतिहास की वंदनीय शहादत बन गई। उनका विश्वास था कि धर्म ने ज्ञान प्रचार का आदेश दिया, धार्मिक आडंबर ने घोर अज्ञान फैलाया।धर्म ने मनुष्य के सामने धर्म का सर्वश्रेष्ठ आदर्श रखा किंतु धार्मिक आडंबरों ने उसे पग पग पर पीछे धकेला है।

मजहबी कर्मकांड और रस्मोंरिवाज की रक्षा करने के स्थान पर देश तथा राष्ट्र की रक्षा करना मनुष्य जाति की उन्नति के लिए कहीं अधिक आवश्यक है। स्वतंत्रता का पवित्र आदेश है कि किसी को किसी के ऊपर स्वेछाचार करने का किसी को किसी का अधिकार छीनने हक नहीं होना चाहिए। भूमंडलीकरण के इस दौर में मीडिया बाजार वाद के दबाव में है। पत्रकारिता को बिकाऊ बनाने के प्रयास तेजी से हो रहे हैं और व्यावसायिकता की गला काट प्रतिस्पर्धा ने अखबारों को उत्पाद के रूप में प्रस्तुत करना शुरू किया है। अतः भूमंडलीकरण के दुष्प्रभावों से पत्रकारिता को बचाना इस दौर की सबसे बड़ी चुनौती है। आवश्यकता इस बात की है कि गणेश शंकर विद्यार्थी की निर्भीक, निष्पक्ष, निडर, देशभक्ति और देश प्रेम की उत्कट भावनाओं से ओत प्रोत पत्रकारिता के उचतम प्रतिमानों को आश्वस्तीदायक बनाया जाए ताकि भारतीय ज्ञान परंपरा, हमारी विपुल सांस्कृतिक धरोहरे और भारतीय जीवन दृष्टि अपने निर्मल स्वरूप में विश्वसनीयता के साथ राष्ट्रहित में विमर्श खड़ा करने के सामाजिक सरोकारों का दर्पण बन सकें।

जयारोग्य के ब्लड बैंक में खून की कमी, जूनियर चिकित्सकों ने संभाली जिम्मेदारी

■ शिविर में 130 यूनिट रक्तदान किया, फिर भी स्थायी समाधान के लिए सामाजिक भागीदारी जरूरी

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जयारोग्य चिकित्सालय के ब्लड बैंक में इन दिनों खून की कमी गंभीर समस्या बनती जा रही है। मरीजों की बढ़ती संख्या और रक्त की लगातार मांग के बीच स्टॉक तेजी से घट रहा है। ऐसे में जूनियर चिकित्सकों और मेडिकल विद्यार्थियों ने आगे आकर जिम्मेदारी निभाई।

जानकारी के अनुसार जयारोग्य चिकित्सालय समूह में ग्वालियर-चंबल अंचल के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। इनमें से कई मरीजों को नियमित रूप से रक्त की आवश्यकता होती है। ब्लड बैंक से प्रतिदिन करीब 120 से 150 यूनिट रक्त की खपत होती है, लेकिन पिछले कुछ समय से पर्याप्त रक्तदान न होने के कारण स्टॉक में कमी बनी हुई है। मंगलवार को स्थिति यह रही कि ब्लड बैंक में केवल 123 यूनिट रक्त ही शेष रह गया था। इस गंभीर

स्थिति को देखते हुए जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन (जूडा) ने पहल करते हुए रक्तदान शिविर का आयोजन किया। जूडा अध्यक्ष डॉ. धुंआराम गुर्जर के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में मेडिकल विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और करीब 130 यूनिट रक्तदान किया। इस प्रयास से फिलहाल कुछ दिनों के लिए राहत जरूर मिली है, लेकिन चिकित्सकों का कहना है कि यदि नियमित रूप से रक्तदान नहीं हुआ, तो फिर से संकट गहरा सकता है।

शिविर का शुभारंभ संस्थान के डीन डॉ. आरकेएस. धाकड़ ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर पैथोलॉजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सुधा अयंगर सहित कई वरिष्ठ चिकित्सक मौजूद रहे। जूडा अध्यक्ष डॉ. धुंआराम गुर्जर ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है, क्योंकि रक्त किसी फैक्ट्री में नहीं बनता। एक इंसान ही इंसान को देकर किसी की जान बचाता है।

सामाजिक संस्थाएं नहीं आ रहीं आगे

शहर में कई सामाजिक संस्थाएं सक्रिय हैं और समय-समय पर रक्तदान शिविर भी आयोजित करती हैं, लेकिन जयारोग्य अस्पताल के ब्लड बैंक को अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पाता। अधिकतर संस्थाएं अन्य स्थानों पर शिविर आयोजित करती हैं, जिससे यहां रक्त की कमी बनी रहती है।

रक्तदाताओं को नहीं मिलता प्रोत्साहन

रक्तदान के बाद दाताओं को प्रोत्साहित करना बेहद जरूरी होता है। जयारोग्य अस्पताल में इस दिशा में कमी देखी जा रही है। उचित सम्मान और प्रोत्साहन न मिलने के कारण कई संभावित रक्तदाता यहां आने से कतराते हैं।

वर्तमान रक्त स्टॉक की स्थिति

एबी पॉजीटिव - 38 यूनिट
ए पॉजीटिव - 10 यूनिट
ओ पॉजीटिव - 20 यूनिट
बी पॉजीटिव - 35 यूनिट
सभी निगेटिव ग्रुप - 20 यूनिट

आज 6 महिलाएं बनेंगी फ्यूल डिलेवरी वर्कर

ग्वालियर। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले में चलाए जा रहे शक्ति दीदी नवाचार के तहत जरूरतमंद महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी क्रम में 25 मार्च को जिले में 6 और महिलाएं शक्ति दीदी के रूप में अपनी जिम्मेदारी संभालेंगी। वर्तमान में जिले में 101 महिलाएं इस योजना के तहत कार्य कर रही हैं और आत्मनिर्भर बन रही हैं। जिलाधीश रुचिका चौहान सहित जिला प्रशासन के अधिकारी विभिन्न पेट्रोल पंपों पर पहुंचकर महिलाओं को यह जिम्मेदारी सौंपेंगे। एसआर पेट्रोलियम, गंगा सर्विस स्टेशन, इंदु फिलिंग स्टेशन और अलापुर पेट्रोलियम सहित विभिन्न स्थानों पर चयनित महिलाओं को फ्यूल डिलेवरी का कार्य दिया जाएगा।

मेहंदी लगे हाथों से सिलेंडर मांगने पहुंचा दूल्हा

■ शादी से पहले गैस संकट ने बढ़ाई चिंता, नई गाइडलाइन से बढ़ी परेशानी

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

राज्य शासन द्वारा कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के वितरण को लेकर जारी नई गाइडलाइन का असर अब आम लोगों, खासकर शादी-विवाह के आयोजनों पर साफ दिखाई देने लगा है। ग्वालियर में हालात यह हैं कि विवाह समारोह आयोजित करने वाले लोग सिलेंडर के लिए जिला आपूर्ति कार्यालय के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। मंगलवार को एक अनोखा मामला सामने आया, जब दूल्हा खुद हाथों में मेहंदी और हल्दी लगाए सिलेंडर की मांग लेकर कार्यालय पहुंच गया।

राकेश कुमार नामक युवक ने बताया कि उसकी शादी 26 मार्च को है और करीब 1100 मेहमानों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई है। हलवाई ने खाना बनाने के लिए 13 कॉमर्शियल सिलेंडर की जरूरत बताई है, लेकिन कहीं से भी सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। उसने शादी का कार्ड भी अधिकारियों को दिखाया। दूल्हे की मजबूरी समझते हुए जिला आपूर्ति नियंत्रक ने स्पष्ट किया कि फिलहाल कॉमर्शियल सिलेंडर उपलब्ध नहीं हैं और वैकल्पिक रूप से भट्ठी या डीजल चूल्हे का उपयोग करने की सलाह दी। उल्लेखनीय है कि गैस एजेंसियों के पास वर्तमान में करीब 1226 कॉमर्शियल सिलेंडर का स्टॉक मौजूद है, लेकिन इसका अधिकांश हिस्सा शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों, पुलिस एवं सुरक्षा बलों के लिए आरक्षित है। रेस्टोरेंट और कैटरिंग सेवाओं को मात्र 9 प्रतिशत आवंटन ही मिल पा रहा है, जबकि विवाह समारोह को इस श्रेणी में शामिल नहीं किया गया है। यही कारण है कि शादी आयोजकों को सिलेंडर के लिए भटकना पड़ रहा है।

राम नवमी के मुहूर्त ने बढ़ाई मांग

राम नवमी के अवसर पर अबूझ मुहूर्त होने के कारण बड़ी संख्या में विवाह समारोह आयोजित किए जा रहे हैं। इस मुहूर्त में शादी करना शुभ माना जाता है और खर्च भी अपेक्षाकृत कम होता है, लेकिन इस बार गैस सिलेंडर की कमी ने आयोजनकर्ताओं की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। अप्रैल माह में होने वाली शादियों के लिए भी लोग अभी से सिलेंडर की व्यवस्था करने में जुट गए हैं, जिससे मांग और अधिक बढ़ गई है।

नहीं घट रही वेटिंग

घरेलू गैस सिलेंडर की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। शहर में करीब 60 हजार उपभोक्ता सिलेंडर के इंतजार में कतार में हैं। प्रतिदिन लगभग 9 हजार सिलेंडर की आपूर्ति हो रही है, लेकिन उतनी ही संख्या में नए उपभोक्ता जुड़ने से वेटिंग कम नहीं हो पा रही है।

सीएम हेल्पलाइन पर बढ़ीं शिकायतें

गैस सिलेंडर की कमी से परेशान उपभोक्ता अब मुख्यमंत्री हेल्पलाइन का सहारा ले रहे हैं। अब तक करीब 250 शिकायतें हेल्पलाइन पर दर्ज हो चुकी हैं, जबकि 1000 से अधिक शिकायतें व्हाट्सएप के माध्यम से भेजी गई हैं।

घरेलू सिलेंडरों की कालाबाजारी जनसुनवाई में पहुंची शिकायतें

जिले में एलपीजी गैस को लेकर प्रशासन भले ही पर्याप्त उपलब्धता और नियंत्रण के दावे कर रहा हो, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट है। घरेलू गैस सिलेंडरों की खुलेआम कालाबाजारी हो रही है और उपभोक्ताओं से मनमानी कीमत वसूली जा रही है। यही वजह है कि अब जिलाधीश की जनसुनवाई में भी शिकायतें पहुंचने लगी हैं।

मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में ग्राम सिरसौद, ब्लॉक मुरार निवासी संतोष शुक्ला ने राधा कृष्णा भारत गैस एजेंसी के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत उनकी पत्नी के नाम गैस कनेक्शन है। उन्होंने सिलेंडर की बुकिंग कराई, लेकिन उन्हें सिलेंडर मिला ही नहीं, जबकि मोबाइल पर डिलेवरी का मैसेज आ गया। जब वे एजेंसी पहुंचे तो कर्मचारी ने 1450 रुपए की मांग कर दी, जो शासन द्वारा तय कीमत से कहीं ज्यादा है।

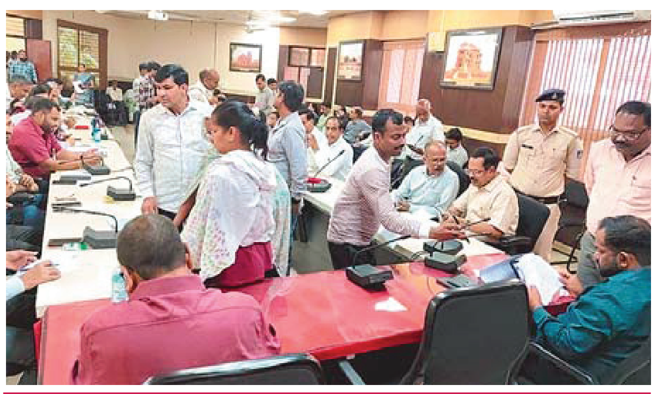

साहब! बेटे की शादी है सिलेंडर दिलवा दीजिए

जनसुनवाई में पहुंचे इंद्रपाल सिंह दादीरिया ने प्रशासन से भावुक अपील करते हुए अपने बेटे की शादी के लिए 12 व्यावसायिक गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने बताया कि 15 अप्रैल को होने वाले विवाह समारोह में करीब 1500 मेहमानों के भोजन की व्यवस्था के लिए अतिरिक्त सिलेंडरों की आवश्यकता है। इसलिए उन्हें सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएं।

इसी तरह एक अन्य ग्रामीण प्रेम किशोर ने भी आरोप लगाया कि एजेंसी ने पहले सिलेंडर देने से मना किया और बाद में 1700 रुपए तक की मांग की, जो मोलभाव के बाद 1400 रुपए तक लाई गई। ग्रामीणों का कहना है कि यह समस्या किसी एक व्यक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे क्षेत्र में उपभोक्ताओं का शोषण किया जा रहा है। उन्होंने जिलाधीश से मांग की है कि एजेंसी की सख्ती से जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए, ताकि लोगों को तय दर पर गैस मिल सके।

समर शेड्यूल में कटौती, दिल्ली-बेंगलुरु फ्लाइट सप्ताह में तीन दिन, यात्रियों की बढ़ी परेशानी

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

समर सीजन की शुरुआत से पहले ही फ्लाइट संचालन में कटौती ने यात्रियों को बड़ा झटका दिया है। 31 मार्च से लागू होने वाले समर शेड्यूल के तहत ग्वालियर से दिल्ली और बेंगलुरु जाने वाली फ्लाइट्स की संख्या घटाकर सप्ताह में केवल तीन दिन कर दी गई है। इससे रोजाना हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों को अब वैकल्पिक साधनों का सहारा लेना पड़ेगा।

जानकारी के अनुसार, दिल्ली की फ्लाइट जो अब तक प्रतिदिन संचालित हो रही थी, उसे समर शेड्यूल लागू होने से दो दिन पहले ही सप्ताह में तीन दिन मंगलवार, गुरुवार और शनिवार तक सीमित कर दिया गया है। इसी तरह बेंगलुरु की फ्लाइट भी अब सप्ताह में केवल तीन दिन ही उपलब्ध रहेगी। दोनों ही रूट पर यात्रियों की अच्छी खासी संख्या रहती है, ऐसे में इस कटौती से व्यापारिक और व्यक्तिगत यात्राओं पर सीधा असर पड़ेगा।

यात्रियों का कहना है कि ग्वालियर से दिल्ली और बेंगलुरु के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग यात्रा करते हैं। फ्लाइट्स कम होने से अब उन्हें ट्रेन से सफर करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा, जिससे समय और सुविधा दोनों प्रभावित होंगे। खासतौर पर कॉर्पोरेट और आपात यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए यह बदलाव असुविधाजनक साबित हो सकता है।

मुंबई फ्लाइट रहेगी नियमित

वर्तमान में ग्वालियर से तीन शहरों दिल्ली, बेंगलुरु और मुंबई के लिए फ्लाइट संचालित हो रही हैं। इनमें केवल मुंबई की फ्लाइट को नियमित रखा गया है। यह ग्वालियर की सबसे पुरानी हवाई सेवा मानी जाती है, जो वर्षों से लगातार संचालित हो रही है और यात्रियों के लिए भरोसेमंद विकल्प बनी हुई है।

फ्लाइट के समय में भी बदलाव

समर शेड्यूल के साथ फ्लाइट्स के समय में भी बदलाव किया गया है। दिल्ली फ्लाइट का समय अब दोपहर 2:55 बजे आगमन और 3:30 बजे प्रस्थान तय किया गया है, जबकि पहले 3:25 बजे आती और 4:10 बजे रवाना होती थी। वहीं मुंबई फ्लाइट का समय बदलकर अब दोपहर 3:40 बजे आगमन और 4:15 बजे प्रस्थान कर दिया गया है, जो पहले 1:40 बजे आती और 2:15 बजे जाती थी।

झांसी-बांद्रा के बीच चलेगी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

यात्रियों की बढ़ती भीड़ और सुविधा को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने झांसी से बांद्रा टर्मिनल के बीच साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन अप्रैल से जुलाई तक कुल 15 फेरों के लिए संचालित की जाएगी, जिससे ग्वालियर-चंबल अंचल के यात्रियों को सीधा मुंबई पहुंचने का साधन मिलेगा।

रेलवे के अनुसार गाड़ी संख्या 02199 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी से प्रत्येक गुरुवार 2 अप्रैल से 9 जुलाई तक चलेगी। वहीं वापसी में 02200 बांद्रा टर्मिनल से हर शनिवार 4 अप्रैल से 11 जुलाई तक संचालित होगी। यह ट्रेन झांसी से शाम 4:50 बजे चलेगी व शाम 6:50 बजे ग्वालियर पहुंचेगी। अगले दिन शाम 4:10 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। वापसी में प्रत्येक शनिवार को शाम 5:10 बजे बांद्रा से प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 5 बजे झांसी पहुंचेगी। इस स्पेशल ट्रेन में कुल 22 कोच लगाए जाएंगे। इनमें एसी द्वितीय, एसी तृतीय, इकोनॉमी, स्लीपर और सामान्य श्रेणी के डिब्बे शामिल रहेंगे। इससे हर वर्ग के यात्रियों को यात्रा की सुविधा मिल सकेगी। यह ट्रेन ग्वालियर के अलावा दतिया, डबरा, शिवपुरी, गुना, रुठियाई, उज्जैन, रतलाम, वडोदरा, सूरत और बोरीवली जैसे प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी। इससे मध्यप्रदेश, राजस्थान और गुजरात के यात्रियों को भी सीधा लाभ मिलेगा।

गर्मी की छुट्टियों में यात्रियों को राहत

रेलवे अधिकारियों का कहना है कि गर्मी की छुट्टियों के दौरान यात्रियों की भीड़ बढ़ जाती है। ऐसे में इन स्पेशल ट्रेनों के संचालन से लंबी दूरी की यात्रा करने वालों को कन्फर्म टिकट मिलने में राहत मिलेगी और वेटिंग की समस्या कम होगी।

सेवा भावी कार्यों के साथ आज मनेगा मुख्यमंत्री यादव का जन्मदिन

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का जन्मदिन 25 मार्च बुधवार को ग्वालियर में विभिन्न स्थानों पर सेवा भावी कार्यों के साथ मनाया जाएगा। बीज विकास निगम के अध्यक्ष महेंद्र सिंह यादव ने बताया कि परमार्थ आश्रम गिरवाई नाका पर सुबह 8:30 बजे वृक्षारोपण,11 बजे नारायण वृद्ध आश्रम जागृति नगर में फल वितरण ,गोले का मंदिर थाने के पास स्थित आत्म ज्योति आवासीय दृष्टिहीन कन्या विद्यालय में फल वितरण किया जाएगा। इसके बाद बड़गांव हाईवे भूमिया बाबा का मंदिर पर दोपहर 2 बजे वृक्षारोपण, गंगा मालनपुर पर दोपहर 3 बजे सुंदरकांड पाठ का आयोजन होगा। दर्पण मिनी हॉकी स्टेडियम पर हॉकी खिलाड़ियों द्वारा प्रदर्शन मैच खेलकर मुख्यमंत्री का जन्म दिवस मनाया जाएगा। साथ ही हॉकी प्रशिक्षक अविनाश भटनागर द्वारा खिलाड़ियों को केक एवं फल वितरित किए जाएंगे। वहीं डॉ. यादव के जन्मदिन पर भाजपा किसान मोर्चा द्वारा 23 मार्च से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी कड़ी में मंगलवार को कृषि उपज मंडी लक्ष्मीगंज में प्याऊ का उद्घाटन किया गया। पूर्व जिला अध्यक्षत कमल माखीजानी, मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक शर्मा, राजू यादव, कृष्णा शर्मा, कपिल शर्मा उपस्थित रहे। 25 मार्च को दीनारपुर मंडी में सुबह 10 बजे किसानों का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

यह जानकारी मोर्चा जिलाध्यक्ष गिर्राज व्यास ने दी। उधर मुख्यमंत्री का जन्मदिन मनाने महिला मोर्चा की नेत्रियां शामिल होंगी। यह निर्णय महिला मोर्चा की बैठक में लिया गया। महामंत्री जवाहर प्रजापति, नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष नीलिमा शिंदे, डॉ. अंजलि रायजादा, किरण भदौरिया एवं सारिका उपाध्याय उपस्थित रहीं।

मुख्यमंत्री यादव का विमानतल पर स्वागत

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार को अल्प प्रवास पर मंगलवार को ग्वालियर आए। वे दतिया जिले के भाण्डेर में आयोजित किसान सम्मेलन में शामिल होने के बाद दोपहर में वायुमार्ग से राजमाता विजयाराजे सिंधिया विमानतल महाराजपुरा पहुंचे। यहां जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। विमानतल पर कुछ देर रुकने के बाद मुख्यमंत्री नई दिल्ली के लिए रवाना हुए। स्वागत करने वालों में पूर्व मंत्री रामनिवास रावत, भाजपा जिला अध्यक्ष ग्रामीण प्रेम सिंह राजपूत सहित अभय चौधरी, कौशल शर्मा, देवेन्द्र प्रताप सिंह तोमर, दीपक शर्मा, धर्मेन्द्र तोमर, अनिल सांखला, विनय जैन, जितेन्द्र गुर्जर, जवाहर प्रजापति, राजू पलैया, विकास साहू एवं रामसुंदर रामू शामिल रहे।

एलटीटी एक्सप्रेस में पर्स पार, प्लेटफॉर्म पर मोबाइल गायब, पार्किंग से स्कूटी चोरी

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

रेल यात्रियों और स्टेशन परिसर में सुरक्षा व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। जीआरपी थाना ग्वालियर बीजी में हाल ही में तीन अलग-अलग चोरी के मामले दर्ज हुए हैं, जिनमें चलती ट्रेन से लेकर प्लेटफॉर्म और पार्किंग तक चोरों ने बेखौफ वारदातों को अंजाम दिया। घटनाओं ने यह साफ कर दिया है कि सुरक्षा के तमाम दावों के बावजूद चोरों के हौसले बुलंद हैं। पहला मामला एलटीटी एक्सप्रेस (12172) का है। फरियादी दिनेश यादव ने बताया कि वे परिवार के साथ यात्रा कर रहे थे। रात में सोने के दौरान अज्ञात बदमाश ने उनकी पत्नी का पर्स सिरहाने से पार कर लिया। सुबह करीब 5 बजे पर्स ट्रेन के बाथरूम में मिला, लेकिन उसमें रखे 10 हजार नकद, दो ईयरफोन और दो स्मार्ट वॉच गायब थे। घटना दतिया स्टेशन के आसपास की बताई जा रही है। दूसरी घटना प्लेटफॉर्म नंबर-1 की है, जहां धर्मेंद्र शर्मा का मोबाइल चोरी हो गया। उन्होंने बताया कि आर्यमन सिंधिया के आगमन के दौरान किसी अज्ञात चोर ने उनकी जेब से मोटरोला का मोबाइल पार कर दिया। वहीं पार्किंग कर्मचारी सुरेंद्र खटीक ने बताया कि एमपी07 5885 नंबर की इलेक्ट्रिक स्कूटी गायब हो गई। वाहन मालिक सुबह लेने आया तो स्कूटी मौके पर नहीं मिली। कई दिन तलाश के बाद मामला थाने पहुंचा। इन तीनों मामलों में जीआरपी ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कुलानुशासक मंडल की बैठक हुई, रोटी पर विवाद की फिर होगी जांच

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय में नवगठित कुलानुशासक मंडल की बैठक मंगलवार को आयोजित की गई, जिसमें विश्वविद्यालय में अनुशासन के मुद्दे पर चर्चा हुई। इसके साथ ही विवाद की कुछ ताजा शिकायतों पर जांच को लेकर भी निर्णय लिया गया। बैठक में फरवरी माह में रोटी को लेकर गालव सभागार में हुए विवाद में आरोपी छात्रों को नोटिस जारी करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा उपेंद्र गोयल की शिकायत पर विभागाध्यक्ष से जानकारी प्राप्त करने के लिए कहा गया। साथ ही किसी भी विवाद की जानकारी सही मिले इसके लिए संबंधित समितियों की जिम्मेदारी भी तय की जाएगी। कुलानुशासक मंडल की बैठक में प्रोफेसर एसके सिंह प्रॉक्टर, डॉ.सपन पटेल, डॉक्टर नवनीत गरुड़ डॉ.निमिषा सिंह जादौन उपस्थित थे।

टीबी क्विज में जीआरएमसी को तीसरा स्थान

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

विश्व टीबी दिवस के अवसर पर भोपाल स्थित गांधी चिकित्सा महाविद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय टीबी क्विज प्रतियोगिता में गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

कम्युनिटी मेडिसिन विभाग द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य टीबी उन्मूलन के प्रति जागरूकता बढ़ाना और पीजी रेजीडेंट्स के ज्ञान का आकलन करना था। प्रतियोगिता के पहले दो चरण ऑनलाइन और अंतिम चरण ऑफलाइन आयोजित किया गया, जिसमें प्रदेशभर से

प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। जीआरएमसी का प्रतिनिधित्व डॉ. प्रवेश सिंह भदौरिया ने किया, जिन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई और तीसरा स्थान प्राप्त किया। उनकी टीम में खंडवा की डॉ. दुर्गा आहूजा और जबलपुर की डॉ. नेहा आर्य भी शामिल रहीं। विजेताओं को उप-मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने पदक पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की एमडी डॉ. सलोनी सिडाना सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आरकेएस. धाकड़ ने इस उपलब्धि पर टीम को बधाई दी।

26 मार्च से शुरू होने वाली हैं परीक्षाएं

परीक्षा से पहले मुरैना में बदले केंद्र, वजह बताई विद्यार्थियों की ज्यादा संख्या

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जीवाजी विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों की स्नातक द्वितीय और तृतीय वर्ष की परीक्षाएं 26 मार्च से शुरू होने वाली हैं। इन परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्र भी तय कर दिए गए थे, लेकिन परीक्षा से सिर्फ दो दिन पहले मुरैना के पांच महाविद्यालयों के परीक्षा केंद्रों में बदलाव किया गया है। इसके पीछे वजह यह बताई गई है कि परीक्षा केंद्रों पर क्षमता से ज्यादा परीक्षार्थियों की संख्या हो गई थी इसलिए परीक्षा केंद्रों में बदलाव किया गया है। वहीं इसको लेकर कुछ महाविद्यालयों को राहत देने के आरोप भी लगाए जा रहे हैं। हालांकि इन आरोपों की पुष्टि नहीं हुई है।

उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय प्रबंधन ने नकल रहित परीक्षाएं कराने का संकल्प लिया है। इसके चलते ही लंबी जद्दोजहद के बाद परीक्षा केंद्रों की सूची जारी की गई थी ताकि परीक्षार्थियों को नकल करने में किसी तरह की मदद नहीं मिल सके। मुरैना के परीक्षा केंद्रों को लेकर और ज्यादा मंथन हुआ और सबसे आखिर में मुरैना के परीक्षा केंद्रों की सूची ही जारी की गई, लेकिन अब भी अब यहां पर परीक्षा केंद्र बदलने की आवश्यकता पड़ी।

यह परीक्षा केंद्र बदले गए

▸▸ एसआरडी महाविद्यालय का परीक्षा केंद्र पहले शासकीय विधि महाविद्यालय मुरैना में था अब इसे बदलकर शासकीय पीजी उत्कृष्ट महाविद्यालय मुरैना में कर दिया गया है।

▸▸ पंडित नेहरू महाविद्यालय बानमोर का परीक्षा केंद्र पहले भगवत सहाय महाविद्यालय ग्वालियर में था, अब इसे बदलकर शासकीय पीजी उत्कृष्ट महाविद्यालय मुरैना में कर दिया गया है।

▸▸ आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय कैलारस का परीक्षा केंद्र पहले शासकीय महाविद्यालय जौरा में था अब इसे बदलकर शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहाड़गढ़ में भेजा गया है। इस भवन को विश्वविद्यालय ने अधिग्रहित कर परीक्षा केंद्र बनाया है।

▸▸ इंद्रप्रस्थ इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, आर्ट्स एंड मैनेजमेंट कैलारस का परीक्षा केंद्र पहले शासकीय महाविद्यालय जौरा में था, इसको बदलकर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कैलारस में बनाया गया है।

▸▸ मां शांतिदेवी महाविद्यालय कुथन सबलगढ़ का परीक्षा केंद्र पहले शासकीय नेहरू महाविद्यालय सबलगढ़ में था, इसको बदलकर शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहाड़गढ़ में बनाया गया है।

शिक्षकों की ग्रीष्मकालीन छुट्टियां होंगी कम

■ मई-जून में देनी होगी परीक्षा ड्यूटी

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

शासकीय विद्यालय के शिक्षकों की ग्रीष्मकालीन छुट्टियां इस बार कम होंगी। इसकी वजह 10 वीं, 12 वीं और 9वीं तथा 11 वीं की द्वितीय परीक्षाएं हैं, यह परीक्षाएं मई और जून माह में होना है। इन परीक्षाओं से पहले विद्यार्थियों की तैयारी के लिए विशेष कक्षाएं भी आयोजित की जाना है, ऐसे में शिक्षकों के ग्रीष्मावकाश पर संकट है। इसके अलावा जनगणना में भी शिक्षकों की ड्यूटी लगेगी। उल्लेखनीय है कि पिछले साल 10 वीं और 12 वीं की द्वितीय परीक्षाएं आयोजित की गई थीं, लेकिन यह अवकाश के दिनों के बाद आयोजित हुई थीं। इस बार यह परीक्षाएं अवकाश के बीच में 7 मई से शुरू हो रही हैं। वहीं 9 वीं और 11 वीं की द्वितीय परीक्षा 3 जून से शुरू हो रही है। यह भी अवकाश के दिनों में ही आयोजित की जा रही हैं।

परीक्षाओं से पहले तैयारी की कक्षाएं भी लगेंगी : विद्यार्थियों को परीक्षा का दूसरा मौका मिलने के साथ ही इन्हें परीक्षा के लिए तैयारी भी कराना होगी। इसके लिए विशेष कक्षाएं भी आयोजित की जाएंगीं। यह कक्षाएं संभवतः अप्रैल के आखिरी सप्ताह से शुरू होंगी। वहीं 9 वीं और 11 वीं की कक्षाएं मई के आखिरी सप्ताह होंगी, हालांकि अभी इन कक्षाओं के बारे में कोई आदेश जारी नहीं हुआ है। शिक्षकों के अवकाश भी मई और जून माह में होते हैं, ऐसे में इन्हीं दिनों में परीक्षा और विशेष कक्षाएं आयोजित होने से अवकाश का फायदा शिक्षकों को नहीं मिल पाएगा। इसको लेकर शिक्षक अभी से आशंकित हैं।

स्कूलों में नए सेशन्स हो रहे शुरू, कुछ बातों का रखें ध्यान

बच्चों के भविष्य निर्माण में स्कूलों की अहम भूमिका

किसी भी बच्चे का भविष्य उसकी शिक्षा पर निर्धारित होता है। *अगर वो अच्छी शिक्षा के साथ बड़ा होता है तो उसमें अलग गुणों के साथ बेहतर भविष्य के निर्माण की क्षमता भी होती है। इसलिए हर माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे शुरुआत से ही ऐसे स्कूल में पढ़ाई करें जहां से उसे ऐसा ज्ञान प्राप्त हो कि वो दिनों-दिन आगे बढ़ें और अपने भविष्य का खुद निर्माण कर सके।*

अगर आपका बच्चा भी स्कूल जाने वाला है तो पैरेंट्स का फर्ज बनता है कि अच्छे स्कूल का चयन करें। जरूरी नहीं कि हम बच्चों को महंगे स्कूल में भेंजे, इससे ज्यादा जरूरी है स्कूल की परफॉर्मेंस । अगर आप भी स्कूल चुनने को लेकर पशो-पेश में है तो यह आर्टिकल आपके लिए उपयोगी साबित होगा। आप यहां स्कूल चुनने लेकर महत्वपूर्ण बातों की जानकारी यहां इस प्राप्त कर सकते हैं।

सही स्कूल के चुनाव से सुरक्षित होगा भविष्य

स्कूल का महंगा होना जरूरी नहीं, परफॉर्मेंस आवश्यक

डिस्टेंस का रखें ध्यान

किसी भी बच्चे का एडमिशन स्कूल में करवाने से पहले उस स्कूल की डिस्टेंस का ध्यान अवश्य रखना चाहिए। अगर घर से 1 किलोमीटर से 3 किलोमीटर तक के क्षेत्र में स्कूल स्थित है तो उसे आइडल माना जाता है। इससे बच्चों के ज्यादा दूर आने-जाने के झंझट से मुक्ति मिलती है वहीं टाइम का बचाव होता है ताकि बच्चा उस समय का इस्तेमाल अन्य एक्टिविटी के साथ ही परिवार के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिता सकता है।

टीचर की करें पड़ताल

अगर आप अपने बच्चे का एडमिशन किसी स्कूल में करवा रहे हैं तो उस स्कूल में पढ़ाने वाले टीचर की जानकारी अवश्य हासिल कर लें। अगर उस स्कूल के शिक्षक नेशनल कॉउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन, मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन द्वारा निर्धारित पैरामीटर्स पर खरा उतरते हैं तो आप वहां अपने बच्चे को दाखिला दिला सकते हैं।

शैक्षिक रिकॉर्ड कर लें चेक

अपने बच्चे को किसी स्कूल में एडमिशन दिलाने से पहले उस स्कूल का पिछले वर्षों का शैक्षिक रिकॉर्ड अवश्य चेक कर लें। इससे आपको उसके प्रदर्शन का पता चलेगा। आप लिए उस स्कूल का हाई स्कूल यानी कि 10वीं और इंटरमीडिएट यानी कि 12वीं का पिछला रिकॉर्ड जैसे- कितने प्रतिशत स्टूडेंट्स बोर्ड परीक्षा में पास हो रहे हैं, इस स्कूल के कितने बच्चे टॉपर रहे हैं आदि चेक कर सकते हैं।

एक्स्ट्रा करिकुलर में कैसा है स्कूल

स्कूल चुनने से पहले यह जरूर चेक कर लें कि एक्सट्रा करिकुलर के लिए स्कूल में कितने माध्यम उपलब्ध हैं। वर्तमान समय के बच्चे पढ़ाई के साथ स्पोर्ट्स, गेमिंग, डांसिंग, सिंगिंग सहित बहुत से चीजे करना चाहते हैं उसके लिए स्कूल के पास क्या इंतजाम हैं।

शैक्षणिक स्तर पर ध्यान दें

स्कूल का चुनाव करते वक्त सुनिश्चित करें कि स्कूल कठोर पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जो आपके बच्चों को कॉलेज और की पढ़ाई के लिए तैयार करेगा। स्कूल में शिक्षक और छात्र अनुपात के बारे में पता करें।

यातायात सुविधा और बजट का रखें ध्यान: स्कूल की फीस और अन्य खर्चों की लागत पर ध्यान दें। स्कूल की लागत कई परिवारों के लिए एक बड़ा वित्तीय बोझ हो जाती है। स्कूल आने-जाने के लिए यातायात सुविधा और बच्चों की सुरक्षा जैसे पहलुओं पर भी विचार करें।

इन बातों की करें जांच

- स्कूल फीस
- स्कूल के माहौल
- स्कूल में उपलब्ध सुविधाएं
- स्कूल में बच्चों की सुरक्षा,
- आने-जाने की सुविधा,
- किस बोर्ड से पढ़ाई कराई जा रही है

एडमिशन के लिए इंटरव्यू से पहले की तैयारी

प्रत्येक माता-पिता अपने बच्चे के लिए एक अच्छा स्कूल और अच्छी शिक्षा चाहते हैं। हर साल कई स्कूलों में एक बड़ी संख्या में एप्लीकेशन भेजे जाते है। इन एप्लीकेशन में शॉर्टलिस्ट होने के बाद कई स्कूल बच्चों के साथ-साथ उनके माता-पिता का भी इंटरव्यू लेते हैं। ऐसे में कई अभिभावकों के मन में इंटरव्यू और उसमें सफलता प्राप्त करने के बारे में कई प्रश्न होते हैं। आप इन बातों को ध्यान में रखकर इंटरव्यू में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

ना हो लेट: अभिभावकों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि स्कूल एडमिशन के दौरान बेस्ट फिट कैंडिडेट का चुनाव करते हैं और अभिभावकों के एक्शन से अक्सर बच्चों के जज किया जाता है। इसी कारण अगर आप स्कूल में इंटरव्यू के लिए जा रहे हैं तो समय से पहुंच जाएं। ऐसा करने से अभिभावक के साथ-साथ बच्चों की इमेज भी अच्छी बनेगी।

फाइनेंशियल स्टेटस: इस बात का ध्यान रखें कि कोई भी स्कूल आपकी बेहतरीन लाइफस्टाइल और स्टैंडर्ड के बारे में जानना नहीं चाहता इसी कारण अपनी फाइनेंशियल स्टेटस के बारे में बात करने से बचें।

किसी दूसरे स्कूल से तुलना ना करें: आपने अपने बच्चे के लिए कई स्कूलों में इंटरव्यू दिया होगा लेकिन इस बात का बेहद खास ध्यान रखें कि किसी एक स्कूल की तुलना दूसरे स्कूल से ना करें। अक्सर एक स्कूल द्वार दी जानी वाली सुविधाओं के बारे में अभिभावक दूसरे स्कूल में जाकर बताते हैं। लेकिन अभिभावकों को ऐसा करने से बचना चाहिए क्योंकि स्कूल हमेशा अपने छात्रों के लिए सबसे बेहतर सुविधा देते हैं।

ज्यादा फ्रेंडली ना हो: इंटरव्यू के दौरान प्रिंसिपल को इंप्रेस करने के लिए अभिभावक अक्सर ज्यादा फ्रेंडली नेचर दिखाते हैं। लेकिन अभिभावक इस बात का ध्यान रखें कि स्कूल आपकी निजी जिंदगी के बारे में जानने के इच्छुक नहीं होते। इसलिए इस बात का ध्यान रखें कि प्रिंसिपल या अन्य किसी स्टाफ से ज्यादा फ्रेंडली नेचर ना दिखाएं।

स्कूल जाने में नहीं रोएगा बच्चा, अपनाएं ये ट्रिक्स

माहौल में बदलाव के चलते क्रैंकी हो जाते हैं किड्स

स्कूल और किताबों से कराएं दोस्ती

नर्सरी स्कूल *के पहले दिन बच्चे को तैयार करना और खुशी-खुशी स्कूल भेजना मां-बाप के लिए एक टास्क जैसा होता है। कई बार बच्चे स्कूल जाने के नाम से ही क्रैंकी हो जाते हैं। अभी तक जो माहौल उन्हें मिल रहा था उसमें जैसे ही बदलाव होता है यानी जैसे ही उनका कंफर्ट जोन टूटता है वे परेशान होने लगते हैं। हालांकि सभी के साथ ऐसा नहीं होता लेकिन अधिकतर केस में बच्चे स्कूल नहीं जाना चाहते। ऐसे में पैरेंट्स कुछ छोटी लेकिन जरूरी बातों का ध्यान रखकर बच्चे को स्कूल के लिए तैयार कर सकते हैं।*

स्कूल विजिट करें, टीचर से मिलें

स्कूल भेजने के पहले हो सके तो बच्चे को एक स्कूल का टुअर कराएं और टीचर्स से मिलवाएं। उसे क्लास के साथ ही प्ले ग्राउंड दिखाएं, बताएं कि वो कहां खेल सकता है, किसके साथ खेल सकता है। दूसरे बच्चों से मिलवाएं। कुल मिलाकर उसे स्कूल, टीचर, स्कूल के माहौल आदि से परिचित कराने की कोशिश करें। इससे बच्चा पहले दिन स्कूल जाएगा तो उसे अजनबी नहीं महसूस होगा।

बुक्स और कहानियों से समझाएं: अपने बच्चे को किताबों और कहानियों के माध्यम से स्कूल के पहले दिन के बार में समझाएं। उसे दूसरे का उदाहरण लेकर बताएं कि कैसे वह पहले दिन स्कूल गया, कैसे टीचर मिले, कैसे पढ़ाई हुई, लंच कब और कैसे किया, कहां खेलने गए वगैरह-वगैरह। इसके साथ ही बच्चे से इस बारे में बात करे कि वह स्कूल के बारे में, टीचर्स के बारे में क्या सोचता है, क्या महसूस करता है। उसके कोई स्पेशल कंसर्न हों तो उन्हें डील करें।

शॉपिंग के लिए जाएं

बच्चों को स्कूल के लिए तैयार करने का एक और बढ़िया तरीका ये होता है कि स्कूल से संबंधित शॉपिंग उनके साथ और उनके मन की करें। इससे उनके अंदर एक्साइटमेंट बढ़ता है और वे चाहते हैं कि जो सामान खरीदकर लाए हैं, उसे स्कूल जाकर इस्तेमाल करें। इसके साथ ही आप उन्हें एक-दो दोस्तों से भी पहले से इंट्रोड्यूज करवा सकते हैं ताकि वहां उन्हें कोई खेलने वाला मिले।

स्कूल जाने से क्यों लगता है डर

- कई बार बच्चों का आत्मविश्वास कम होता है ***और उन्हें असफ होने का डर सताते रहता है।***
- कई बच्चों को स्कूल के नियमों को फॉलो करने में परेशानी आती है और ***वह अकेलापन महसूस करने लगते हैं।***
- स्कूल के बच्चे हर बात में ***अगर कॉम्पटीशन करते हैं और वह बार बार हार रहा है तो*** इसकी वजह से भी ऐसा हो सकता है।
- बच्चों को यह महसूस होता है कि ***स्कूल जाने पर वे अपने माता पिता से बिछुड़ जाएंगे*** और वे स्कूल में तनाव में रहने लगते हैं।
- कई बार स्कूल में डांट का डर भी बच्चों के मन में बना रहता है ***और उनका मनोबल कम हो जाता है।***

ग्लैमर तड़का

ग्रीन साड़ी में तमन्ना भाटिया का स्वैग

तस्वीरों पर अटकी फैंस की नजरें

तमन्ना भाटिया ने कुछ देर पहले ग्रीन कलर की साड़ी में खास फोटोज शेयर की हैं। एक्ट्रेस ने जैसे ही तस्वीरें साझा कि हर किसी का ध्यान उनके लुक पर अटक गया है। यूनीक और स्टाइलिश अंदाज में तमन्ना बहुत खूबसूरत दिख रही हैं। तमन्ना भाटिया की साड़ी ग्रीन कलर की है। साड़ी प्लेन पर है पर पल्लू पर थोड़ा पर डिजाइन बना है। साथ ही ब्लाउज पर भी वर्क देखने के लिए मिल रहा है। ब्लाउज को स्टाइलिश तरीके से तैयार किया गया है, जिससे उनका लुक खास दिख रहा है। एक्ट्रेस के लुक को खास बनाने के लिए बहुत ही स्पेशनल झुमके कैरी किए गए हैं। जो उनके पूरे लुक को डबल धमाकेदार बना रहे हैं। वहीं, तमन्ना भाटिया ने नेकलेस कैरी नहीं किया है क्योंकि उनका सुंदर ब्लाउज ही बढ़िया दिख रहा है। तमन्ना भाटिया का लुक जितना खास है, उतना ही कमाल के पोज वो तस्वीरों में देती दिख रही हैं। एक्ट्रेस के अंदाज ने फैंस का दिल जीत लिया है। इंटरनेट पर तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं। बता दें कि तमन्ना भाटिया अक्सर चर्चा में रहती हैं। लंबे समय से उनका नाम विजय वर्मा के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों को कई मौकों पर एक साथ देखा भी जाता है। हालांकि, तमन्ना और विजय ने इस बारे में अभी तक कुछ कंफर्म नहीं किया है।

निक्की तंबोली ने दिए किलर पोज

बिग बॉस में धमाल मचाने वाली एक्ट्रेस निक्की तंबोली इन दिनों सोशल मीडिया पर अपने बोल्ड लुक्स को लेकर काफी चर्चा में बनी रहती हैं। इसी बीच निक्की तंबोली का नया लुक सामने आया है। एक्ट्रेस इन तस्वीरों में ब्रालेस लुक में दिखाई दे रही हैं। निक्की का ये नया लुक सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। निक्की तंबोली इस तस्वीर में किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं। जिसकी फोटो उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। लुक की बात करें तो एक्ट्रेस ने सिर्फ व्हाइट कोट पहन रखा है और चेयर पर बैठकर पोज दिए हैं। उन्होंने अपने बालों को ओपन रखा है। उनकी हर एक अदा पर फैंस फिदा हो गए और उनके इस लुक पर खूब प्यार लूटा रहे हैं। उनकी इस लेटेस्ट हॉट फोटोज ने फैंस के पसीने छुड़ा दिए हैं। जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

मियामी ओपन 2026

सिनर ने तोड़ा जोकोविक का रिकॉर्ड

मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट्स में लगातार 26 सेट जीतने वाले पहले खिलाड़ी बनें, मियामी ओपन में मूटे को हराया

तीसरे राउंड में कोरेंटिन मूटे को 6-1, 6-4 से हराया। यह मुकाबला 1 घंटा 11 मिनट तक चला।

सिनर ने एटीपी मास्टर्स1000 लेवल पर लगातार 13 मैच जीतने का रिकॉर्ड भी बना लिया है।

एजेंसी, मियामी

इटली के टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार सबसे अधिक सेट जीतने के मामले में नोवाक जोकोविक का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सिनर ने मियामी ओपन के तीसरे राउंड में कोरेंटिन मूटे को 6-1, 6-4 से हराया। यह मुकाबला 1 घंटा 11 मिनट तक चला। इस जीत के साथ सिनर के लगातार जीते गए सेटों की संख्या 26 हो गई है, जबकि जोकोविच के नाम 24 सेट का रिकॉर्ड था। जोकोविच ने यह उपलब्धि 2016 में इंडियन वेल्स और मियामी के बीच हासिल की थी।

नवंबर से जारी है अजेय रहने का सिलसिला

सिनर का यह शानदार सफर पिछले साल नवंबर में पेरिस मास्टर्स से शुरू हुआ था। वहां उन्होंने बिना कोई सेट गंवाए खिताब अपने नाम किया था। इसके बाद उन्होंने इसी महीने इंडियन वेल्स ओपन का खिताब भी जीता। म्यूटेट के खिलाफ जीत के साथ ही सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 लेवल पर लगातार 13 मैच जीतने का रिकॉर्ड भी बना लिया है। मैच के बाद सिनर ने एटीपी की आधिकारिक वेबसाइट से कहा, 'मैं बहुत खुश हूं। यह खेल अप्रत्याशित है, इसलिए हम जितना हो सके उतना ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करते हैं। अब देखते हैं कि अगले दौर में क्या होता है।' उन्होंने आगे कहा कि वे हर मैच के लिए तकनीकी रूप से पूरी तरह तैयार रहने की कोशिश करते हैं।

अगले दौर में एलेक्स मिचेलसन से होगा मुकाबला

चौथे दौर में जैनिक सिनर का सामना अमेरिका के एलेक्स मिचेलसन से होगा। मिचेलसन ने अपने तीसरे दौर के मुकाबले में अलेजांद्रो ताबिलो को 3-6, 6-3, 6-4 से हराकर आगे कदम बढ़ाया है। सिनर जिस फॉर्म में चल रहे हैं, उन्हें टूर्नामेंट का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। मियामी ओपन में कार्लोस अल्कराज के बाहर होने के बाद सिनर के पास अपनी रैंकिंग और मजबूत करने का अच्छा मौका है।

सबालेंका क्वार्टर फाइनल में, गॉफ मुचोवा और म्बोको भी अंतिम 8 में

मियामी ओपन 2026 में वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने सोमवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। सबालेंका ने चीन की झेंग किनवेन को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से हराया। यह मुकाबला एक घंटे 25 मिनट तक चला। सबालेंका अब "सनशाइन डबल" (इंडियन वेल्स और मियामी ओपन एक ही साल में जीतना) के करीब पहुंच गई हैं। क्वार्टरफाइनल में सबालेंका का मुकाबला अमेरिका की हैली बैप्टिस्ट से होगा, जिन्होंने जेलेना ओस्टापेंको को 6-3, 6-4 से हराया। वहीं, अमेरिका की चौथी वरीयता प्राप्त कोको गॉफ ने रोमानिया की सोराना सर्स्टिया को कड़े मुकाबले में 6-4, 3-6, 6-2 से हराकर अंतिम-8 में प्रवेश किया। गॉफ को दूसरे सेट में संघर्ष करना पड़ा, लेकिन तीसरे सेट में उन्होंने दमदार वापसी करते हुए मैच अपने नाम किया। चेक गणराज्य की करोलिना मुचोवा ने एकतरफा मुकाबले में फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा ईला को 6-0, 6-2 से हराकर आसानी से क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। कनाडा की युवा खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए रूस की मीरा एंड्रीवा को 7-6(4), 4-6, 6-0 से हराया। म्बोको ने निर्णायक सेट में जबरदस्त खेल दिखाते हुए मैच अपने नाम किया। अब क्वार्टरफाइनल में म्बोको का मुकाबला मुचोवा से होगा, जहां दोनों खिलाड़ी सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए भिड़ेंगी।

आर्यना सबालेंका

संक्षिप्त समाचार

आयुष शेट्टी को थॉमस कप के लिए पहली बार चुना गया

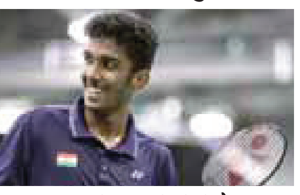

बेंगलुरु। भारत की अगली पीढ़ी के बैडमिंटन टैलेंट को एक बड़ा बढ़ावा देते हुए, युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी को थॉमस कप फाइनल्स 2026 के लिए नेशनल टीम में पहली बार चुना गया, जो उनके तेज़ी से बढ़ते करियर में एक बड़ा मील का पत्थर है। बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया ने मंगलवार को 24 अप्रैल से 3 मई तक डेनमार्क के हॉर्सेंस में होने वाले टूर्नामेंट के लिए एक बैलेंस्ड टीम का नाम बताया, जिसमें शेट्टी अनुभवी पुरुषों की लाइनअप में सबसे खास खिलाड़ियों में से एक के रूप में उभरे। शेट्टी का सिलेक्शन सीनियर सर्किट पर लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद हुआ है, जहाँ उन्होंने लगातार एक शांत और तकनीकी रूप से मजबूत खिलाड़ी के रूप में अपनी पहचान बनाई है जो सबसे ऊँचे लेवल पर मुकाबला करने में सक्षम है।

सैफ अंडर-20 चैंपियनशिप मालदीव पहुंची भारतीय टीम

माले, मालदीव। सैफ अंडर-20 चैंपियनशिप से पहले भारत की अंडर-20 पुरुष टीम मालदीव पहुंच गई है, जहां टूर्नामेंट की शुरुआत सोमवार, 23 मार्च 2026 से माले में हो चुकी है। ब्लू कोल्ट्स सोमवार को मालदीव की राजधानी पहुंचे और ग्रुप बी में अपने अभियान की शुरुआत पाकिस्तान (26 मार्च) और बांग्लादेश (28 मार्च) के खिलाफ मुकाबलों से करेंगे। दोनों मैच माले के नेशनल स्टेडियम में भारतीय समयानुसार शाम 4:15 बजे खेले जाएंगे। ग्रुप ए में मेजबान मालदीव के साथ श्रीलंका, नेपाल और भूटान शामिल हैं। प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें 1 अप्रैल को होने वाले सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी, जबकि फाइनल 3 अप्रैल को खेला जाएगा। टीम सकारात्मक माहौल के साथ माले पहुंची है और प्रतियोगिता में मजबूत शुरुआत करने के लिए उत्साहित है।

गणेश कुंटे टेक्निकल ऑफिशियल नियुक्त

भोपाल। 25 से 28 मार्च तक रायपुर में आयोजित होने वाली ट्राइबल खेलो इंडिया स्विमिंग चैंपियनशिप, 2026 के निर्बाध आयोजन हेतु, राजधानी भोपाल के गणेश कुंटे को स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा टेक्निकल ऑफिशियल नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर मध्य प्रदेश स्विमिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष पीयूष शर्मा और सचिव जय वर्मा ने बधाई दिया है। उल्लेखनीय है कि गणेश कुंटे, नेशनल स्विमिंग प्लेयर रहे हैं. वे दो दशक से खेलो इंडिया, सीबीएसई सहित अन्य नेशनल लेवल के स्विमिंग इवेंटस में ऑब्जर्वर सहित टेक्निकल ऑफिसियल की भूमिका निभाते आ रहे हैं. गणेश कुंटे, सागर पब्लिक स्कूल, रोहित नगर में स्विमिंग कोच हैं।

आरसीबी सबसे महंगी आईपीएल टीम बनी 4 कंपनियों ने 16.71 हजार करोड़ में खरीदा

राजस्थान भी 15 हजार करोड़ रु में बिकीं

एजेंसी, नई दिल्ली

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) 1.78 बिलियन डॉलर यानी करीब 16,706 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड बोली के साथ बिक गई है। इसके साथ ही बेंगलुरु आईपीएल की सबसे महंगी टीम बन गई। आरसीबी टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन है। क्रिकबज की रिपोर्ट अनुसार, आरसीबी को आदित्य बिड़ला ग्रुप, टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप, बोल्ट वेंचर्स और ब्लैकस्टोन्स परपिचुअल प्राइवेट इक्विटी स्ट्रैटिजी ने मिलकर खरीदा। इससे पहले क्रिकबज ने ही मंगलवार को बताया था, राजस्थान रॉयल्स 1.63 बिलियन डॉलर यानी करीब 15,289 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड बोली के साथ बिक गई है। राजस्थान अब दूसरी सबसे महंगी आईपीएल टीम बन गई। न्यूज एजेंसी ने बताया कि भारतीय मूल के अमेरिकी बिजनेसमैन काल सोमानी और उनके कॉन्सोर्टियम ने राजस्थान के लिए सबसे बड़ी बोली लगाई, जिसे मंजूर कर लिया गया। आरसीबी सबसे महंगी टीम बनी। वहीं राजस्थान ने लखनऊ सुपर जायंट्स का रिकॉर्ड तोड़ा था। लखनऊ को संजीव गोयनका के RPSG ग्रुप ने 2021 में 7,090 करोड़ की भारी बोली लगाकर खरीदा था।

पुरुष और महिनस दोनों टीमों को खरीदा

4 कंपनियों के कंसोर्टियम ने पिछली मालिक यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड के साथ एग्रीमेंट साइन किया और आरसीबी के 100% शेयर्स खरीद लिए। इस एग्रीमेंट में आरसीबी की मेंस और विमेंस दोनों टीमें शामिल हैं। विमेंस टीम के नाम 2 विमेंस प्रीमियर लीग टाइटल हैं, वहीं मेंस टीम 2025 में ही पहली बार चैंपियन बनी थी।

चार कंपनियां रेस में थीं

राजस्थान रॉयल्स की फाइनल बिडिंग रेस में चार बड़े ग्रुप शामिल थे। इसमें आदित्य बिरला ग्रुप, टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप और कैपरी ग्लोबल भी दावेदारी में थे। हालांकि, इन सभी को पीछे छोड़ते हुए काल सोमानी के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम ने आखिरकार यह बोली जीत ली।

16 गुना ज्यादा कीमत देकर खरीदा

आरसीबी को 2008 में विजय माल्या ने 111.6 मिलियन डॉलर में खरीदा था। तब यह कीमत भारतीय मुद्रा में 446 करोड़ रुपए थी, लेकिन मार्च 2026 के कन्वर्जन के हिसाब से यह कीमत 1050 करोड़ रुपए होती है। यानी आरसीबी की कीमत 19 साल में करीब 16 गुना तक बढ़ गई। आरसीबी को 2016 में USL कंपनी ने खरीद लिया था। अब 10 साल बाद टीम को नया मालिक मिल गया।

24 गुना ज्यादा में बिकी राजस्थान

2008 में जब राजस्थान रॉयल्स को खरीदा गया था, तब इसकी कीमत सिर्फ 67 मिलियन डॉलर थी, जो उस समय लगभग 260-270 करोड़ के आसपास बैठती थी। अगर उसी 67 मिलियन डॉलर को आज की वैल्यू में देखा जाए, तो यह करीब 628 करोड़ बनता है। अब 2026 में यही फ्रेंचाइजी करीब 1.63 बिलियन डॉलर (लगभग 15,289 करोड़) में बिकी है। यानी, मौजूदा वैल्यू की तुलना 2008 की आज की कीमत (628 करोड़) से करें, तो राजस्थान रॉयल्स की कीमत में करीब 24 गुना का उछाल आया है।

आर्यमान बिड़ला चेयरमैन बने

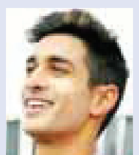

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की नई ओनरशिप के साथ आदित्य बिड़ला ग्रुप के डायरेक्टर आर्यमान बिड़ला को टीम का चेयरमैन भी बनाया गया। 28 साल के आर्यमान बिड़ला का क्रिकेट और बिजनेस दोनों में अनुभव रहा है। वे पूर्व फर्स्ट क्लास क्रिकेटर हैं और मध्य प्रदेश के लिए रणजी ट्रॉफी खेल चुके हैं। उन्होंने 16 पारियों में 414 रन बनाए, जिनमें एक शतक शामिल है। 2018 के आईपीएल ऑक्शन में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 30 लाख रुपए में खरीदा था, लेकिन उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिले।

द. अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय महिला टी-20 टीम घोषित

हरमनप्रीत संभालेंगी कप्तानी स्मृति मंधाना उपकप्तान बनीं

17 अप्रैल से शुरू होगी 5 मैचों की सीरीज

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की महिला चयन समिति ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली आगामी टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। इस दौरे के लिए 15 सदस्यीय टीम की कमान अनुभवी ऑलराउंडर हरमनप्रीत कौर के हाथों में सौंपी गई है, जबकि स्मृति मंधाना टीम की उपकप्तान होंगी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पांच मैचों की यह टी-20 सीरीज 17 अप्रैल से शुरू होने जा रही है।

शेफाली और जेमिमा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा: चयनकर्ताओं ने टीम में अनुभव और युवा जोश का तालमेल बिठाने की कोशिश की है। टीम के बल्लेबाजी क्रम में शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स और ऋचा घोष जैसे विस्फोटक बल्लेबाज शामिल हैं। ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा भी टीम का अहम हिस्सा हैं, जो गेंद और बल्ले दोनों से मैच पलटने की क्षमता रखती हैं। ऋचा घोष और उमा छेत्री को विकेटकीपर के विकल्प के तौर पर टीम में जगह मिली है।

गेंदबाजी में रेणुका और अरुंधति संभालेंगी कमान

तेज गेंदबाजी विभाग की जिम्मेदारी रेणुका सिंह ठाकुर और अरुंधति रेड्डी पर होगी। स्पिन विभाग में श्रेयंका पाटिल और काश्वी गौतम जैसे उभरते हुए चेहरों को शामिल किया गया है। टीम में अन्य प्रमुख नामों में क्रांति गौड़, श्री चरणी, भारती फुलमाली और अनुष्का शर्मा शामिल हैं। चयन समिति ने इन खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट और पिछले दौरों पर किए गए अच्छे प्रदर्शन के आधार पर चुना है। भारतीय टीम इस दौरे पर कुल 5 टी-20 मैच खेलेगी। सीरीज का आगाज 17 अप्रैल को डरबन में होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अनुष्का शर्मा को भारतीय महिला क्रिकेट टीम में चयन पर दी बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्वालियर की महिला क्रिकेट खिलाड़ी कु. अनुष्का शर्मा को भारतीय महिला टी-20 क्रिकेट टीम में चयन पर बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 17 अप्रैल से 27 अप्रैल 2026 तक दक्षिण अफ्रीका में होने वाली द्विपक्षीय टी-20 क्रिकेट सीरिज में ग्वालियर की अनुष्का का चयन मध्यप्रदेशवासियों के लिये गौरव की बात है। उनके चयन से मध्यप्रदेश की बेटियों को आगे बढ़ने के लिये प्रेरणा मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कु. अनुष्का और उनके पिता श्री बृजमोहन शर्मा को राजमाता विजयाराजे सिंधिया विमानतल पर सम्मानित किया।

नेशनल इंडोर एथलेटिक्स

3000 मीटर दौड़ में विनोद सिंह ने जीता रजत पदक

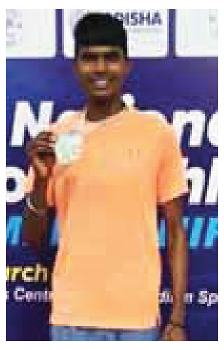

भोपाल। भुवनेश्वर में 24 और 25 मार्च 2025 को आयोजित पहली नेशनल इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अकादमी के एथलीट विनोद सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3000 मीटर दौड़ में रजत पदक अपने नाम किया। विनोद सिंह ने 8 मिनट 16.93 सेकंड का समय निकालकर यह उपलब्धि हासिल की। पूरे मुकाबले के दौरान उन्होंने बेहतरीन लय और स्टैमिना का प्रदर्शन किया, जिससे वे कड़े प्रतिस्पर्धा के बीच दूसरे स्थान पर रहे। कोच और खेल प्रेमियों ने विनोद के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

भोपाल में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

केएआई सीनियर नेशनल कराते चैंपियनशिप का शानदार समापन

खेल संवाददाता, भोपाल

कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित केएआई सीनियर नेशनल कराते चैंपियनशिप-2026 का सफल समापन एलएनसीटी यूनिवर्सिटी, कोलार रोड, भोपाल में हुआ। दो दिवसीय इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर से आए खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए खेल भावना, अनुशासन और समर्पण का परिचय दिया। इस चैंपियनशिप में 19 राज्यों के लगभग 450 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिससे देश में कराते खेल की बढ़ती लोकप्रियता और स्तर का स्पष्ट संकेत मिला। प्रतियोगिता के दौरान कुमिते और काता स्पर्धाओं में खिलाड़ियों ने उच्च स्तरीय तकनीकी कौशल और प्रतिस्पर्धात्मक भावना का प्रदर्शन किया। समापन समारोह में बैकुंठ सिंह, डॉ. पंकज शुक्ला, योगेश कालरा और जयदेव शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य मुकाबलों में महिला कुमिते +68 किग्रा वर्ग में हरियाणा की दीपसाइखा ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि पुरुष 75-84 किग्रा वर्ग में मध्यप्रदेश के हर्ष चौहान ने स्वर्ण पदक हासिल कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। वहीं सीनियर फीमेल काता में तमिलनाडु की टी. अबिया और सीनियर मेल काता में पश्चिम बंगाल के आदित्य धनराज ने स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

अंतर्राष्ट्रीय पहलवान प्रियांशी को इंस्पेक्टर पद पर पदोन्नति, प्रदेश में खुशी की लहर

खेल संवाददाता, भोपाल

उज्जैन के माधव गौशाला अखाड़ा से जुड़ी अंतरराष्ट्रीय पहलवान प्रियांशी प्रजापत ने अपनी शानदार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों से एक बार फिर प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। उनकी उत्कृष्ट खेल उपलब्धियों को देखते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस ने उन्हें विशेष पदोन्नति देते हुए इंस्पेक्टर के पद से सम्मानित किया है। प्रियांशी प्रजापत की इस उपलब्धि से उनके परिवार के साथ-साथ उज्जैन स्थित माधव गौशाला अखाड़ा परिवार में भी खुशी का माहौल है। उनके लगातार बेहतरीन प्रदर्शन ने न केवल मध्यप्रदेश बल्कि देश के लिए गौरव का अवसर प्रदान किया है। इस मौके पर मध्य प्रदेश एमेच्योर कुश्ती संघ के मार्गदर्शक और ओलंपियन अर्जुन अवार्डी पप्पू यादव पहलवान ने भी प्रियांशी को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं, मध्य प्रदेश कुश्ती संघ के अध्यक्ष नारायण यादव और सचिव सुरेश यादव सहित अन्य पदाधिकारियों और सदस्यों ने भी इस उपलब्धि पर खुशी जताई।

अप्रैल से शुरू होंगे समर कैंप नई प्रतिभाओं को मिलेगा मौका: मंत्री विश्वास सारंग

भोपाल। खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि अप्रैल माह से शुरू होने वाले समर कैंप के माध्यम से प्रदेश में नई खेल प्रतिभाओं को मंच दिया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि समर कैंप का आयोजन पूरी तैयारी और प्रभावी योजना के साथ किया जाए, ताकि अधिक से अधिक बच्चे खेलों से जुड़ सकें। टीटी नगर स्टेडियम स्थित मेजर ध्यानचंद हॉल में आयोजित खेल एवं युवा कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक में मंत्री ने विभागीय कार्यों और आगामी योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शुरुआती स्तर पर प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें बेहतर प्रशिक्षण दिया जाए, जिससे वे भविष्य में उत्कृष्ट खिलाड़ी बन सकें। मंत्री ने खेल अधोसंरचना के विकास को तेज करने के लिए विभाग का स्वयं का सिविल विंग स्थापित करने का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए। उनका मानना है कि इससे निर्माण कार्यों में तेजी आएगी और खेल परिसरों का रख-रखाव अधिक व्यवस्थित होगा।

मध्य प्रदेश खो-खो टीम को खेल मंत्री का आशीर्वाद

खेल संवाददाता, भोपाल

मध्य प्रदेश की खो-खो टीम ने जूनियर नेशनल चैंपियनशिप के लिए खेल मंत्री विश्वास सारंगी से आशीर्वाद प्राप्त किया। कटक, ओडिशा में 30 मार्च से 2 अप्रैल तक आयोजित होने वाले खो-खो इंडिया जूनियर नेशनल में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम के सदस्य भोपाल में मंत्री से मिले। मंत्री ने खिलाड़ियों को सुभाषित प्रदान किए और संगठन को भविष्य में आवश्यक सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर भोपाल जिला खो-खो संघ के सदस्य सुनील सिंह, जालम सिंह, तरुण पाल, बबिता देशमुख और वर्षा मगरदे उपस्थित थे। मध्य प्रदेश खो-खो संघ के सचिव राजेश त्रिपाठी और अध्यक्ष जितेंद्र सोनी ने मंत्री का आभार व्यक्त किया और सभी संघ के पदाधिकारियों और कोचों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार का उत्साह और समर्थन खिलाड़ियों को आगामी टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगा। मंत्री ने टीम को लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने और खेल भावना बनाए रखने की भी सलाह दी।

निगम अमले ने पकड़ा निराश्रित गोवंश

■ 23 कांजीहाउस, 2 को पशु चिकित्सालय भेजा

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल नगर निगम सीमा में सड़कों पर घूमते निराश्रित गोवंश को पकड़ने के लिए नगर निगम की टीमें लगातार कार्रवाई कर रही हैं। मंगलवार को भी निगम टीमों ने अलग-अलग स्थानों से 23 पशुओं को पकड़कर कांजी हाउस भेजा, दो घायल/बीमार पशुओं को पशु चिकित्सालय में भर्ती कराया।

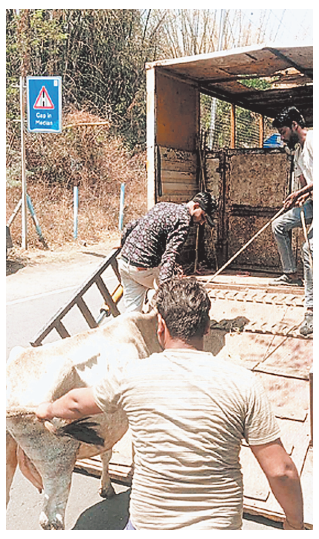

इसी प्रकार निगम की हाका पार्टी ने भी 15 पशुओं को सड़कों से हटाया। निगम की गोवर्धन परियोजना शाखा के अमले ने पशुओं को पकड़ने के लिए शहर के माता मंदिर, मैनिट, कोटरा, नेहरू नगर, भदभदा, साक्षी ढाबा, नीलबड़, लिंक रोड़ नंबर 1,2,3, विधानसभा, चार इमली, चूना भट्टी, कोलार रोड़, दानिशकुंज, रतनपुर सड़क, बाणगंगा, न्यू मार्केट, माता मंदिर, शिवाजी नगर आदि स्थानों पर कार्रवाई की।

कैफे संचालक को चाकू मारकर जानलेवा हमला

भोपाल। गांधी नगर में कैफे संचालक को चाकू मारकर जानलेवा हमला कर दिया गया। विवाद होटल के बिल भुगतान को लेकर हुआ था। पुलिस के अनुसार आर्यन कुमार उम्र 29 साल गांधी नगर थाना क्षेत्र में रहते हैं। उन्होंने एक महीना पहले ही जेल रोड नयापुरा में कैफे खोला है। यहां रविवार-सोमवार की दरमियानी रात इलाके का बदमाश तनु उर्फ तरुण पहुंचा। उसने चाय पी और बाकी अन्य सामान खरीदकर वह जाने लगा। इस बात पर विवाद हो गया।

मुख्यमंत्री के जन्मदिवस पर किया हनुमान चालीसा पाठ

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 25 मार्च को जन्मदिन के उपलक्ष्य में पूर्व संध्या पर मंगलवार को जिला भोपाल के अरेरा मंडल वार्ड 45 के संयोजक महेंद्र वर्मा और अरेरा मंडल अध्यक्ष अभिषेक पुरोहित ने शिवाजी नगर स्थित श्री केसरी नंदन हनुमान मंदिर पर हनुमान चालीसा का आयोजन किया। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं सफल नेतृत्व की कामना की। कार्यक्रम में वरिष्ठ

नेता एवं बीडीए के पूर्व उपाध्यक्ष सुनील पांडे, वंदे मातरम समिति के अध्यक्ष पयोज जोशी, अशोक सैनी, जिला मीडिया प्रभारी राजेंद्र गुप्ता, हेमंत कपूर, झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक निखिलेश मिश्रा सहित मंडल के नवनियुक्त पदाधिकारी एवं अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजधानी की तपती धूप में पेड़ की छांव का सहारा...

भोपाल। तपती धूप से बचकर जो छांव में आ बैठे, उन्हें समझ आता है, सुकून क्या होता है...चैत्र माह की गर्मी के बीच भरी दोपहरी में नीलम पार्क का यह नजारा अब आम है। राजधानी में 34.4 डिग्री सेल्सियस तापमान के बीच धूप में काम से थके हारे लोग सुकून के लिए इन पेड़ों की छांव का सहारा लेते हुए देखे जाते हैं। आगामी दो दिनों के दौरान मौसम विभाग के द्वारा तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोत्तरी का अनुमान जताने के बाद यहां पहुंचने वाले लोगों की संख्या और बढ़ सकती है।

मंत्री श्री टेटवाल ने सारंगपुर में विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की

भोपाल। मंत्री श्री टेटवाल ने सारंगपुर में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में विकास कार्यों, आधारभूत संरचना, जल संरक्षण और जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति का समग्र मूल्यांकन किया। बैठक में विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली की विभागवार समीक्षा करते हुए प्रशासनिक दक्षता, समयबद्धता और गुणवत्ता को केंद्र में रखने के निर्देश दिए गए।

मंत्री श्री टेटवाल ने स्पष्ट कहा कि विकास कार्य केवल स्वीकृतियों तक सीमित न रहें, बल्कि धरातल पर परिणाम दिखाई दें। सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण हों, पूर्ण परियोजनाओं का त्वरित हस्तांतरण हो और उनका प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने दोहराया कि लापरवाही या अनावश्यक विलंब की स्थिति में जवाबदेही तय की जाएगी। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत संचालित जल संरचनात्मक कार्यों की समीक्षा करते हुए मंत्री श्री गौतम टेटवाल ने वर्षा जल संचयन, नाला उपचार और भू-जल संवर्धन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण को जनांदोलन का स्वरूप देना आवश्यक है, जिससे दीर्घकालीन जल सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। नदियों के पुनर्जीवन और श्रमदान आधारित पहलों में व्यापक जनसहभागिता पर बल दिया गया।

असफलता से घबराने के बजाय उससे सीख लेकर आगे बढ़ना ही सफलता का मूल मंत्र

सरोजिनी नायडू महाविद्यालय के वार्षिक उत्सव में शामिल हुए डिप्टी सीएम शुक्ल

भोपाल (नगर संवाददाता)

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल मंगलवार को सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय के वार्षिक उत्सव समारोह स्वयंप्रभा-2026 में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। विद्यार्थियों

को मार्गदर्शन देते हुए उन्होंने कहा कि ट्राय फॉर द बेस्ट, प्रीपेयर फॉर द वर्स्ट और समझाया कि असफलता से घबराने के बजाय उससे सीख लेकर आगे बढ़ना ही सफलता का मूल मंत्र है। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं के उदाहरण देते हुए बताया कि निरंतर प्रयास, आत्मविश्लेषण और धैर्य से ही लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत तेजी से आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है। इस ऊंचाई को बनाए रखने शिक्षा स्वास्थ्य व रोजगार पर ध्यान देना आवश्यक है, क्योंकि यही किसी भी राष्ट्र के समग्र विकास का आधार होते हैं।

बदमाश ने युवक पर किया चाकू से हमला, घायल

भोपाल (नगर संवाददाता)

टीला जमालपुरा में पानी पीने को लेकर एक बदमाश ने युवक पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि 26 वर्षीय दानिश शेख इंद्रानगर में रहकर बैट्री ऑटो चलाता है। वह चर्म रोग से पीड़ित है। रविवार को वह शाहजहांनाबाद सार्वजनिक टंकी से पानी पी रहा था, तभी भय्यू उर्फ आवेश पहुंचा और पानी पीने से मना करने लगा। इसको लेकर दोनों में कहासुनी हो गई। सोमवार को इंद्रा नगर में दोनों का फिर आमना-सामना हुआ, जहां विवाद बढ़ गया।

बड़े तालाब में मिला युवक का शव

भोपाल। वीआईपी रोड स्थित बड़े तालाब में मंगलवार सुबह एक मानसिक बीमार युवक का शव मिला है। तलैया थाना पुलिस ने बताया कि मंगलवार सुबह एक युवक को तालाब की ओर जाते हुए देखा जिसने अचानक पानी में छलांग लगा दी। कुछ ही समय बाद युवक का शव तैरने लगा। गोताखोरों को बुलाया गया, जिन्होंने शव को बाहर निकालकर पुलिस के हवाले कर दिया। मृतक की पहचान भपेंद्र उर्फ पप्पू अवस्थी (38) निवासी चौकी इमामबड़ा कोतवाली के रूप में हुई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

भोपाल होकर चलेगी एलटीटी-समस्तीपुर ट्रेन

भोपाल। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेनें चला रही है। इस क्रम में एलटीटी-समस्तीपुर वीकली एसी समर स्पेशल ट्रेन इटारसी होकर चलेगी। ट्रेन 01043 एलटीटी से 21 अप्रैल से 14 जुलाई तक प्रत्येक मंगलवार को दोपहर 12.15 बजे प्रस्थान कर इटारसी रात 23.45 बजे होकर बुधवार रात्रि 23.45 बजे समस्तीपुर जंक्शन पहुंचेगी। वापसी में 01044 समस्तीपुर से 23 अप्रैल से 16 जुलाई तक प्रत्येक गुरुवार को 03.00 बजे प्रस्थान कर अगले दिन इटारसी 02 बजे होकर शुक्रवार सायं 16.25 बजे एलटीटी पहुंचेगी। इस ट्रेन में 01 एसी प्रथम, 03 एसी सेकंड, 15 एसी थर्ड 01 बुफे पेन्ट्रीकार एवं 02 जनरेटरकार सहित कुल 22 कोच रहेंगे।

रीवा-राजकोट एक्सप्रेस में एक थर्ड एसी कोच बढ़ा

भोपाल। समर सीजन में यात्रियों की मांग पर रीवा-राजकोट-एक्सप्रेस में एक थर्ड एसी कोच मई से अगले आदेश तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। ट्रेन 22937/38 राजकोट से 24 मई को एवं 25 मई को रीवा से इस ट्रेन में 4 थर्ड एसी कोच की बजाय 5 थर्ड एसी कोच होंगें। इस गाड़ी में 6 स्लीपर, 5 थर्ड एसी, 2 थर्ड एसी इकोनामी, 2 सेकेंड एसी, 1 फस्ट एसी, 4 सामान्य श्रेणी कोच, 1 एसएलआरडी, 1 जनरेटरकार सहित कुल 22 कोच होंगें।

गैस सिलेंडरों की किल्लतः राजधानी में गैस एजेंसियों में ऑनलाइन बुकिंग के बाद भी देरी से मिल रहा सिलेंडर

सर्वर में आ रही दिक्कत, डिलीवरी में अव्यवस्था से उपभोक्ता परेशान

भोपाल (नगर संवाददाता)

ईरान-अमेरिका युद्ध का असर आम जनता पर दिखने लगा है। इसके कारण गैस सिलेंडर की सप्लाई में कमी से राजधानी की आम जनता परेशान हो रही है। शहर के 50 से अधिक वितरकों के यहां सिलेंडर के लिए मारामारी होने लगी है। लंबी कतारें लगानी पड़ रही है। गैस सिलेंडर की आपूर्ति में कमी होने से ये स्थिति पैदा हो रही है। सुबह 8 बजे से लोग आकर एजेंसी के सामने बैठने लगे। घंटो इंतजार के बाद सिलेंडर नहीं मिलने पर लोगों पर आक्रोश देखा जा रहा है। वही दूसरी ओर गैस एजेंसी संचालक सिलेंडर की कमी नहीं होने का दावा कर रही है।

गैस एजेंसियों पर मंगलवार को भी गैस बुकिंग को लेकर भारी अराजकता देखने मिली। उपभोक्ताओं ने बताया कि वे कई दिनों से सिलेंडर के लिए लगातार चक्कर काट रहे हैं, लेकिन बुकिंग और डिलीवरी किसी न किसी कारण से नहीं हो पा रही है। जवाहर चौक स्थित एजेंसी पर उपभोक्ता राहुल नगर निवासी आटो चालक प्रदीप सेन ने बताया कि वे पिछले 7 दिन से एजेंसी के चक्कर लगा रहे हैं। हर बार अलग-अलग कारण बताकर उन्हें लौटा दिया जाता है।

जिंसी चौराहा और और टीला जमालपुरा गैस एजेंसियों पर लगी ग्राहकों की भीड़।

हिंदू उत्सव समिति ने मांगा भंडारे के लिए गैस सिलेंडर

भोपाल। नवरात्रि, रामनवमी और हनुमान जन्मोत्सव पर आयोजित भंडारे के लिए गैस सिलेंडर देने की मांग श्री हिंदू उत्सव समिति ने की। इस संबंध में समिति ने मंगलवार को प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। समिति के अध्यक्ष चन्द्रशेखर तिवारी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टरके नाम संबोधित ज्ञापन एडीएम पीसी शाक्य को सौंपा। ज्ञापन में आग्रह किया कि इन धार्मिक आयोजनों में बड़ी संख्या में भंडारे आयोजित होते हैं, जिनमें गैस

आवश्यक होती है। समिति ने प्रशासन से निवेदन किया कि संबंधित गैस एजेंसियों को गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने निर्देशित की जाएं। इस अवसर पर समिति के महामंत्री बलीस्ता रावत, उपाध्यक्ष दिलीप गुप्ता, मंत्री हरी ओम शर्मा, अमित भार्गव, विरेंद्र दुबे, विनय शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

कभी डीएसी नंबर नहीं आने की बात पर, तो कभी सिस्टम में सिलेंडर डिलीवर दिखाकर कि घर पर पहुंच गया है, जबकि उनके घर कोई गैस नहीं आई है। एजेंसी में आने-जाने से उनका पूरा दिन खराब हो रहा है, जिससे उनको दिक्कत हो रही है। घर का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है। इसी तरह दो घंटे से लाइन में खड़े पंचशील नगर निवासी नरेंद्र गुप्ता ने बताया कि वे फुल्की चाट का ठेला लगाते हैं। गैस नहीं मिलने से चाट बनाना बंद कर दिया। केवल फुल्की बेच रहे हैं। उन्होंने कहा कि 3 दिन से घर में गैस खत्म है। ठेला तक नहीं लगा पा रहा हूं। ग्राहक कम हो गए हैं। कमाई रुक गई है।

■ घरेलू सिलेंडरों की कमी नहीं, कोटे के हिसाब से दिए व्यावसायिक

जिला प्रशासन ने मंगलवार को कहा कि राजधानी में घरेलू सिलेंडरों की कमी नहीं है। सभी को बुकिंग के हिसाब से वितरित किए जा रहे हैं। खाद्य नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन ने कहा कि मंगलवार को व्यावसायिक सिलेंडर होटल- रेस्टोरेंट और अन्य संस्थाओं से मिल रही आग्रह मांग के आधार पर की गई। ताज, मेट्रो समेत कई संस्थाओं ने मांग की है। इन सभी को कोटे के आधार पर व्यावसायिक सिलेंडर दिए गए हैं।

सुबह की चाय तक नहीं बन पा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि बुकिंग होने के बाद भी उन्हें बार-बार बुलाया जा रहा है, लेकिन सिलेंडर नहीं दिया जा रहा है। पंचशील नगर निवासी मजदूर दुर्गा प्रसाद ने बताया कि गैस खत्म होने से उन्हें एजेंसी के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। कभी ओटीपी नहीं आ रहा, तो कभी सर्वर डाउन बोलकर भगा देते हैं। मेरे पास ऑटो के पैसे नहीं है। उधार लेकर अपना घर चला रहा हूं। बड़ी मुश्किल से एक सिलेंडर मिला। इस कारण चाय-नाश्ते की कीमतें भी बढ़ानी पड़ी। 10 रुपए की चाय अब 15 रुपए में बेचने पड़ रहे हैं। की कर दी है,जिससे ग्राहक कम हो गए। अगर यही स्थिति ऐसी ही रही, तो मुझे दुकान बंद करनी पड़ेगी।

मंत्री सिलावट ने ली विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक

सिंचाई परियोजनाओं को पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें : सिलावट

भोपाल (नगर संवाददाता)

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। हमारी सरकार का ध्येय है समृद्ध किसान, समृद्ध मध्य प्रदेश. जब किसानों के खेतों में पानी पहुंचेगा तो मिट्टी सोना उगलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के हर किसान के खेत तक सिंचाई के लिए पानी पहुंचाने का संकल्प लिया है और उसी संकल्प की पूर्ति के लिए अधिकारी निरंतर कार्य करें। मध्यप्रदेश में प्रगतिरत विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं को निर्धारित समय अवधि में पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें, जिससे जनता को समय पर उनका पूरा-पूरा लाभ मिल सके। मंत्री श्री सिलावट ने मंगलवार को मंत्रालय में विभागीय समीक्षा बैठक ली। बैठक में मंत्री श्री सिलावट ने प्रमुख रूप से बीना परियोजना प्रबंधन इकाई सागर एवं बेतवा परियोजना प्रबंधन इकाई भोपाल में निर्माणाधीन वृहद एवं मध्यम परियोजनाओं की समीक्षा की। बैठक में विभाग के अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा, प्रमुख अभियंता विनोद कुमार देवड़ा सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं कार्य से संबंधित निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

विभागीय मापदंड अनुसार पूर्ण करने के निर्देश दिए

मंत्री सिलावट ने बैठक में बीना संयुक्त सिंचाई बहुद्देश्यीय परियोजना सागर, कोठा बैराज परियोजना विदिशा, बण्डा सिंचाई परियोजना सागर-छतरपुर, हनोता सिंचाई परियोजना सागर-विदिशा, पंचमनगर सिंचाई परियोजना दमोह-सागर, कडान मध्यम सिंचाई परियोजना सागर, साजली मध्यम सिंचाई परियोजना दमोह, कैथ मध्यम सिंचाई परियोजना सागर, जूडी एवं जैरा मध्यम सिंचाई परियोजना दमोह-छतरपुर की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण गुणवत्ता एवं विभागीय मापदण्ड अनुसार पूर्ण करने के निर्देश दिए। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने पर सागर, विदिशा, छतरपुर एवं दमोह ज़िलों की लगभग 3 लाख 10 हजार हेक्टेयर भूमि में अतिरिक्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी।

उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने विद्यार्थियों से 'परीक्षा के दौरान तनाव प्रबंधन' को लेकर किया संवाद

जीवन निर्धारण नहीं सीखने की ओर अग्रसर करती है परीक्षा

भोपाल (नगर संवाददाता)

परीक्षा, जीवन का निर्धारण नहीं करती बल्कि सतत् सीखने की ओर अग्रसर करती है। विद्यार्थियों के लिये यह संदेश उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार का है। वह परीक्षा के दौरान तनाव प्रबंधन विषय पर आयोजित सत्र को संबोधित कर रहे थे। उच्च शिक्षा विभाग के इस पांच दिवसीय आयोजन के समापन कार्यक्रम में वह मंत्रालय स्थित प्रतिकक्ष से वर्चुअल सहभागी बने थे। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं के समाधान के आलोक में सार्थक संवाद कर मनोबल भी बढ़ाया।

इस दौरान श्री परमार का कहना था कि विद्यार्थियों को परिणाम को लेकर तनावग्रस्त नहीं बल्कि सतत् सीखते रहने की ओर अग्रसर रहना चाहिए। परीक्षा अवधि के दौरान विद्यार्थी तनाव से मुक्त रहकर, सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ स्वस्थ मन से परीक्षाओं की तैयारी करें, इससे परिणाम भी सकारात्मक ही आयेगा। इसके पहले उनका कहना था कि भारतीय परम्परा में एकाग्रता के लिए 'ध्यान' का महत्व रहा है। विद्यार्थियों को अपनी दिनचर्या में ध्यान को सम्मिलित करना चाहिए, इससे एकाग्रता बढ़ेगी और सीखने की क्षमता भी बढ़ेगी। किसी भी तरह के तनाव की स्थिति में, अपने से जुड़े किसी भी साथी, परिजन अथवा गुरुजन से संवाद कर अपनी मनोस्थिति साझा करने करने का सुझाव देते हुए उन्होंने कहा कि संवाद करने से समाधान निकलता है और मन का बोझ कम होता है। इस अवसर पर कार्यक्रम समन्वयक डॉ ऊषा नायर सहित प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी वर्चुअली मौजूद थे।

वर्चुअल रूप से विद्यार्थियों से संवाद करते मंत्री इंदर सिंह परमार

विशेषज्ञों ने सुझाया समाधान

'मनोबल सत्र' कार्यक्रम के समापन सत्र में विषयविद प्रो. विनय मिश्रा ने, 'परीक्षा के दौरान तनाव प्रबंधन' विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया और विद्यार्थियों के तनाव से जुड़े विभिन्न प्रश्नों का समाधान भी सुझाया। प्रो. मिश्रा ने विद्यार्थियों को ओवरथिंकिंग, फेल होने के डर और तुलना करने से बचने को कहा। साथ ही विद्यार्थियों को अपना ध्यान, परफेक्शन पर न रखकर प्रोग्रेस पर रखने का सुझाव दिया। इस दौरान समय प्रबंधन, स्टडी हैबिट्स, ध्यान, प्राणायाम, तनाव साझा करने और विचार प्रबंधन सहित विभिन्न पहलुओं पर आवश्यक एवं महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए गये।

हरियाणा के गुरुग्राम में बुलाकर कागजातों में हस्ताक्षर भी कराए, जालसाजी का प्रकरण दर्ज

थोक कारोबारी ने पौने तीन लाख रुपए की चपत लगाई

भोपाल (नगर संवाददाता)

शाहजहांनाबाद में दुकान चलाने वाले एक कारोबारी के साथ करीब पौने तीन लाख रुपए का फर्जीवाड़ा किया गया। आरोप हरियाणा के गुरुग्राम में स्थित थोक कारोबारी पर लगा है। मामला लेन-देन से जुड़ा है। जिसमें कई तरह के तकनीक पेंच भी है। जिसके संबंध में पुलिस की तरफ से ढुलमुल जवाब दिया जा रहा है।

एसआई सूरज अतुलकर की तरफ से इस संबंध में सोमवार को जालसाजी का प्रकरण दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि नासिर आलम पिता स्वर्गीय जहीर आलम पुराना सेफिया कॉलेज रोड पर रहते हैं। उनका किराना सामान बेचने का काम है। नासिर आलम के पास ज्यादा कमीशन पर किराना सामान की बुकिंग के लिए हेरी गुर्जर आते-जाते थे। उन्होंने कई बार उनसे सामान भी लिया है। जिसका भुगतान करने पर दीपांशी ट्रैडर्स नाम से बिल आया है। फरवरी, 2025 में दो लाख, 72 हजार रुपए का भुगतान उन्होंने माल लेने के लिए किया था।

ट्रक बुकिंग करने का झांसा देकर बुलाया गया था

यह भुगतान चेक और ऑन लाइन किया गया था। इसके बाद उन्हें गुरुग्राम में बुलाया गया। उन्हें एचआर-26-एफआर-9767 में बैठाकर कागजात में हस्ताक्षर यह बोलकर कराए गए कि यह फर्म की पॉलिसी हैं। इसके बाद यहां-वहां घुमाने के बाद कोई माल नहीं दिया गया। जबकि उन्हें गुरुग्राम में बुलाने से पहले ट्रक बुकिंग करने का झांसा देकर बुलाया गया था। इसके बाद से वह कई महीनों से वह पैसा मांग रहे थे। जब रकम नहीं मिली तो उन्होंने शाहजहांनाबाद थाने में शिकायत दर्ज कराई। जिसमें पुलिस ने जालसाजी का प्रकरण दीपांशी ट्रैडर्स के खिलाफ दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि कंपनी के संबंध में वे रिकॉर्ड फर्म एंड कंपनी से मांगने जा रहे हैं।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)